Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 11 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 08 नवम्बर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्री पुष्कर मेले का भव्य समापन, सांस्कृतिक रंगों में डूबे नजर आए पर्यटक

अजमेर। अजमेर में पंद्रह दिवसीय विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले का भव्य समापन हो गया, जहां मेले के आखिरी दिन खेल समारोह और पारंपरिक डांस ने पर्यटकों का दिल जीत लिया। विदेशी महिलाओं ने समापन के दिन हुए खेलों में अपनी भागीदारी निभाई, जहां उनका मुकाबला राजस्थान की महिलाओं के साथ हुआ। मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद रहे। राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मीडिया से बात कर कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेले का समापन हो गया है और सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी इस मेले की अमिट छाप है। यह मेला हमारी संस्कृति का प्रतीक है और हमारी राष्ट्रीय एकता को भी प्रबल करता है। राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मेले के समापन पर कहा, इस बार मेला अच्छी व्यवस्था और सुधार के साथ पूरा हुआ है। यहां हमारे विदेशी मेहमानों ने भी भागीदारी निभाई और मेले का आनंद लिया। हमने इस बार प्रशासन की मदद से पशु प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पशुओं के लिए अच्छी जगह का इंतजाम किया और स्वच्छता का भी ध्यान रखा।

दिल्ली में सड़क सफाई का महाअभियान, प्रदूषण नियंत्रण को नई गति मिली

नई दिल्ली। राजधानी के बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए रेखा सरकार लगातार गंभीर व प्रभावी प्रयास कर रही है। इसी कड़ी ने पीडब्ल्यूडी के अधीन सभी सड़कों की 200 मेंटेनेंस वैन से गहराई से सफाई शुरू कर दी गई है। इस प्रभावी कार्य में सड़क क्षेत्र से मलबा हटाना, गड्ढों को प्राथमिकता से भरना, सड़क संकेतों की मरम्मत व सुधार व अन्य कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री के अनुसार इस अभियान के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं, साथ ही संबंधित अफसरों को व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। उनका यह भी कहना है कि दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बेहद गंभीर है।

राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

वंदे मातरम् के टुकड़े कर बोए गए देश विभाजन के बीज...

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित स्मरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'वंदे मातरम' शब्द हमारे वर्तमान को आत्मविश्वास से भर देता है, यह हमें साहस देता है कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। वंदेमातम आजादी का गान ही नहीं बना बल्कि आजाद भारत कैसा होगा, वंदेमातरम् ने सुजलाम-सुफलाम का सपना भी करोड़ों देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया। आज यह दिन वंदेमातरम की असाधारण यात्रा को याद करने का मौका देता है। जब बंग दर्शन में वंदेमातरम प्रकाशित हुआ तो कुछ लोगों को लगता था कि यह तो केवल एक गीत है लेकिन देखते-देखते यह स्वतंत्रता संग्राम का स्वर बन गया। यह हर क्रांतिकारी के जबान पर था। हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त कर रहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने वंदेमातरम् को भी बांटने की कोशिश की और वे शक्तियां आज भी मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वंदेमातरम् हमें हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि ना हो सके। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा ना सकें। वंदेमातरम् के सामूहिक गान का अद्भुत अनुभव वाकई अभिव्यक्ति से परे है। इतनी सारी आवाजों में एक लय, एक स्वर और एक भाव, एक जैसा रोमांच, एक जैसा प्रवाह, ऐसा तारतम्य, ऐसी तरंग की ऊर्जा ने हृदय को स्पंदित कर दिया है। उन्होंने कहा, आज वंदे मातरम् पर एक डाक टिकट और विशेष सिक्का भी

जारी किया गया है। मैं मां भारती के सपूतों को वंदे मातरम् के लिए जीवन खपाने के लिए श्रद्धांजलि देता हूं। मैं वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हर कार्य का अपना एक भाव होता है। एक मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव क्या है। इसका मूल भाव है, भारत, मां भारती। भारत की शाश्वत संकल्पना, वह संकल्पना जिसने युगों-युगों को देखा है। शून्य से शिखर तक की यात्रा और शिखर से पुनः शून्य में उनके विलय को देखा है। बनता-बिगड़ता इतिहास। भारत ने यह सब कुछ देखा है। इंसान की अनंत यात्रा से हमने सीखा और समय-समय पर हमने अपनी सभ्यता के मूल्यों और आदर्शों को तराशा। हमारे पूर्वजों ने, हमारे देशवासियों नेअपनी एक पहचान बनाई। प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम् इस संकल्प का उद्घोष बना गया था भारत की आजादी का। भार तकी संतानें अपने भाग्य की विधाता बनें। आनंद मठ केवल उपन्यास नहीं था बल्कि स्वाधीन भारत का एक स्वप्न था। आनंद मठ में वंदे मातरम् का प्रसंग, एक-एक पंक्ति, उसका हर भाव, कुछ वर्षों के गुलामी के साये में कैद नहीं रहे। वे गुलामी की स्मृतियों से आजाद रहे। इसलिए वंदे मातरम हर दौर में, हर कालखंड में प्रासंगिक है। इसने अमरता को प्राप्त किया है। वंदे मातरम की पहली पंक्ति, सुजलाम, सुफलाम, मलयज शीतलाम, सश्य श्यामलाम मातरम।

मातृभूमि की स्तुति में रचा गया 'वंदे मातरम्' स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की सबसे प्रबल प्रेरणा

रायपुरः 'वंदे मातरम' राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को छत्तीसगढ़ में भी बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम् का गायन किया। इस अवसर पर सभी ने वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ आज़ादी की राष्ट्रीय चेतना का पुण्य स्मरण किया और अमर बलिदानियों को नमन किया। मुख्यमंत्री साय 'वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आयोजित स्मरणोत्सव में वर्चुअली शामिल हुए और प्रधानमंत्री का उद्बोधन भी सुना।

प्रियंका गांधी ने दी मुख्य चुनाव आयुक्त को चेतावनी

ज्ञानेश कुमार आपको शांति से रिटायर नहीं होने देंगे-प्रियंका

पटना/ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रेगा में एक रैली के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और दो अन्य अधिकारियों पर खुलेआम निशाना साधकर आग में घी डालने का काम किया। मंच पर प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, अगर आप सोचते हैं कि आप शांति से रिटायर हो जाएँगे, तो ऐसा नहीं होगा। मैं जनता से कहती हूँ, ज्ञानेश कुमार का

नाम कभी मत भूलना। उन्होंने एस.एस. संधू और विवेक जोशी का भी नाम लिया और जनता से उनके नाम याद रखने की अपील की, जिस पर उनके समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। प्रियंका गांधी ने कथित मतदान अनियमितताओं की आलोचना की और हरियाणा में कथित तौर पर वोटों से छेड़छाड़ का ज़िक्र किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जनता उन्हें धोखा देने की कोशिशों को माफ़ नहीं करेगी। उन्होंने अपनी चेतावनी दोहराते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, एस.एस. संधू और विवेक जोशी सहित इसमें शामिल लोगों को, अगर लगता है कि ग़लत कामों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। तो उन्हें चैन से सो जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इससे पहले, राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान नतीजों में हेरफेर करने के लिए 25 लाख फर्जी वोटों का इस्तेमाल किया गया था।

रांची में ड्रग्स रैकेट का खुलासा, 23 साल की सेजल समेत चार गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने ड्रग्स का कारोबार चलाने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से कुल 140 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत करीब 28 लाख रुपए बताई गई है। साथ ही 2.76 लाख रुपए नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। रांची के एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे हैं और न्यू मार्केट चौक, रातू रोड के पास इसकी सप्लाई करने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में डीएसपी कोतवाली की अगुवाई में एक विशेष जांच टीम गठित की गई।

साइबर ठगी का शिकार हुए टीएमसी सांसद

जालसाजों ने कल्याण बनर्जी,के खाते से उड़ाए 55 लाख रुपये...

कोलकाता/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के नेता और चार बार के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी के साथ एक बड़ी साइबर धोखाधड़ी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, उनके निष्क्रिय पड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) खाते को फर्जी दस्तावेजों के जरिए फिर से सक्रिय किया गया और इससे 55 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। कोलकाता में एसबीआई की हाईकोर्ट शाखा ने इस मामले में साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। बैंक की

शिकायत के मुताबिक, साइबर अपराधियों ने जाली पैन और आधार कार्ड तैयार किए, जिन पर कल्याण बनर्जी की तस्वीर लगाई गई थी। इन जाली दस्तावेजों की मदद से अपराधियों ने उनके पुराने खाते की केवाईसी अपडेट कर दी। इसके बाद 28 अक्तूबर को खाते में दर्ज मोबाइल नंबर भी बदल दिया गया, जिससे उन्हें खाते पर पूरा नियंत्रण मिल गया। शिकायत के मुताबिक, खाते की जानकारी मिलने के बाद ठगों ने कई ऑनलाइन लेनदेन किए और करीब 56 लाख 39 हजार 767 रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिए निकाल लिए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, निकाली गई रकम को कई अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया गया। एटीएम से निकाला गया और यहां तक कि गहने खरीदने में भी इस्तेमाल किया गया। कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

राहुल गांधी का आरोप

पीएम मोदी चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने....

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूरा चुनाव चोरी किया गया और नरेंद्र मोदी, चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि राहुल गांधी अपनी नाकामी को छिपाने के लिए देश के लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 'हमारे पास बहुत सारा मैटेरियल है। हम वोट चोरी का पर्दाफाश करने की प्रक्रिया जारी रखेंगे। हम भारत के जेन ॅ, युवाओं को साफ तौर पर दिखाएंगे कि नरेंद्र

मोदी, चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं और भाजपा चुनाव चोरी करती है।' बुधवार की अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'यह एक सामान्य सी बात है। मैंने अपनी प्रेजेंटेशन में दिखाया कि हरियाणा चुनाव, चुनाव नहीं था।

मनी लॉन्ड्रिंग पर भारत को मिली वैश्विक सराहना, एफएटीएफ ने ईडी को बताया दुनिया के लिए मिसाल

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ भारत की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सराहना मिली है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (ख्नङ्घस्न) ने अपनी नई रिपोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) के कामकाज को वैश्विक स्तर पर एक प्रभावशाली मॉडल करार दिया है। रिपोर्ट में भारत की कानूनी व्यवस्था और मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी तंत्र को मजबूत और विश्वसनीय बताते हुए कहा गया है कि यह संपत्ति जब्ती और पुनर्वास के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। 340 पन्नों की रिपोर्ट में भारत की तारीफ।

निधन से फिल्म जगत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी शोक की लहर

छग की बेटी और मशहूर गायिका अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का निधन,मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने जताया शोक

रायपुर। भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री और मधुर स्वर साधिका सुलक्षणना पंडित के निधन से फिल्म जगत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी शोक की लहर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा की अमर स्वर साधिका बताया। मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'संगीत और अभिनय की उनकी यात्रा की जड़ें छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की उस सांस्कृतिक मिट्टी से जुड़ी थीं, जहां संगीत एक परंपरा नहीं, बल्कि जीवनधारा है। उन्होंने बताया कि सुलक्षणा पंडित का जन्म रायगढ़ की पुरानी बस्ती रामगुड़ी पारा स्थित अशर्फी देवी महिला चिकित्सालय में हुआ था और उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पैलेस रोड स्थित शासकीय बालिका विद्यालय से प्राप्त की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुलक्षणा के पिता प्रताप नारायण पंडित, राजा चक्रधर सिंह के दरबार के प्रसिद्ध तबला वादक थे। संगीत उनके परिवार की परंपरा थी, जिसे सुलक्षणा जी ने अपने सुरों के माध्यम से नई पहचान दी और पूरे देश में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। साय ने श्रद्धांजलि संदेश में कहा कि उनकी आवाज़ में सादगी थी, भाव था और इस मिट्टी की

सुगंध थी। छत्तीसगढ़ उनकी इस अमर संगीत यात्रा को नमन करता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दें। सुलक्षणा पंडित ने वर्ष 1975 में फिल्म 'उलझन' से बतौर अभिनेत्री बॉलीवुड में पदार्पण किया था। उन्हें 1976 में फिल्म 'संकल्प' के गीत 'तू ही सागर तू ही किनारा' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपने करियर में कई हिट गीत गाए और लोकप्रियता हासिल की। उनका आखिरी प्लेबैक सॉन्ग 1996 की फिल्म 'खामोशीः द म्यूजिकल' में था, जिसे उनके भाइयों जतिन-ललित ने संगीतबद्ध किया था। कहा जाता है कि सुलक्षणा पंडित ने बॉलीवुड अभिनेता संजीव कुमार से एकतरफा प्रेम किया था, और उनके विवाह प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद उन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का निर्णय लिया था।

स्ट्रे डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

स्कूल-हॉस्पिटल-रेलवे स्टेशन से हटेंगे आवारा कुत्ते,सुप्रीम कोर्ट ने दिया शेल्टर होम्स में शिफ्ट करने का आदेश........

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर में स्ट्रे डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि आवारा कुत्तों को स्कूलों-बस अड्डों के पास से हटाकर उन्हें शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाओं में खतरनाक बढ़ोतरी पर संज्ञान लिया। अदालत ने कहा कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पतालों जैसे संस्थानों को आवारा कुत्तों से मुक्त किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह कार्यवाही स्वतः संज्ञान लेते हुए 28 जुलाई को दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज पर की गई मीडिया रिपोर्ट के आधार पर शुरू की। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने के 'गंभीर खतरे' के मुद्दे से निपटने के लिए अंतरिम निर्देश पारित करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार बड़े फैसले में कई दिशा-निर्देश जारी करते हुए आदेश दिया कि शैक्षणिक संस्थानों जैसे बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों आदि के परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें डॉग

शेल्टर (कुत्ता आश्रय गृह) में स्थानांतरित किया जाए। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सड़कों से आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान दल गठित करें और उन्हें शेल्टर होम में रखकर उनकी देखभाल करें। बता दें कि इससे पहले 27 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने स्पष्ट आदेशों के बाद भी ज्यादातर राज्य सरकारों के अनुपालन हलफनामा दायर न करने पर कड़ी टिप्पणी की थी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ही अपने हलफनामे प्रस्तुत किए थे। कोर्ट ने सिर्फ कुत्तों पर ही नहीं, बल्कि सड़कों और हाइवे पर घूमने वाले आवारा मवेशियों पर भी सख्त रुख अपनाया है. कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सभी राज्यों में तुरंत अभियान चलाकर सड़कों से आवारा पशुओं को हटाया जाए. नगर निगम प्राधिकरण और हृ्रढ्ढ हाइवे और एक्सप्रेसवे से सभी मवेशियों को हटाना सुनिश्चित करेंगे. कोर्ट ने आदेश दिया कि सड़क परिवहन विभाग, नगर निगम प्राधिकरण, हृ्रढ्ढ उन जगहों/ हाइवे/ सड़कों का पता लगाएं जहां, आवारा जानवर पाए जाते हैं. उन्हें तुरंत हटाकर शेल्टर होम्स या गोशालाओं में शिफ्ट किया जाए. आवारा पशुओं से जुड़े मामलों के लिए 24/7 हेल्पलाइन और उन पर नजर रखने के लिए हाइवे पट्रोल टीम भी बनानी होगी.

राहुल मानसिक रूप से दिवालिया

उनका हाइड्रोजन बम हो गया निष्क्रिय-प्रधान....

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में वोट धोखाधड़ी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके आरोपों को झूठा बताया और दावा किया कि राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी, जिन्हें उन्होंने झूठा बताया, एक नया स्टार्टअप चला रहे हैं जो झूठ फैलाने और झूठे आख्यान गढ़ने पर केंद्रित है। एएनआई से बात करते हुए, धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने तीन दिन पहले

एक 'हाइड्रोजन बम' गिराने का दावा किया था। वह बम धराशायी हो गया... जो व्यक्ति खुद झूठा है और झूठे तथ्य प्रस्तुत करता है, वह एक नया स्टार्टअप चला रहा है और उसका मुख्य काम झूठी कहानी गढ़ना और झूठ फैलाना है।

छत्तीसगढ़ महतारी और पुरखा-पुरोधाओं का अपमान अब हरगिज़ बर्दाश्त नहीं : श्रवण साहू

साजा (समय दर्शन)। बेमेतरा के एक युवक और रायगढ़ के व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर छत्तीसगढ़ महतारी, छत्तीसगढ़ियों के विरुद्ध अशोभनीय एवं अश्लील टिप्पणी किए जाने के विरोध में पूरे प्रदेश में आक्रोश व्याप्त है। छत्तीसगढ़िया समाज द्वारा विभिन्न थानों में आरोपी के खिलाफकठोरतम कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों और सेनानियों ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिलाध्यक्ष राजेंद्र पटेल और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के साजा अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू के नेतृत्व में थाना थानखम्हरिया पहुंचकर आरोपी पर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

थाना साजा में भी सौंपा ज्ञापन- सेनानियों द्वारा गुरूवार को इसी मामले पर थाना साजा में भी ज्ञापन सौंपा गया, जहां मामला को संज्ञान में लाने और कड़ी कार्यवाही के लिए अपील किया गया।

छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति स्थापना के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन- छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के सेनानियों ने गुरुवार को हिमांशु वर्मा नगर पंचायत अध्यक्ष साजा को ज्ञापन सौंपा और छत्तीसगढ़ महतारी की मुर्ति स्थापना एवं महतारी चौंक प्रदान करने के लिए लिखित आवेदन किया।

ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया से चर्चा में श्रवण साहू ने कहा— विगत वर्षों से छत्तीसगढ़ महतारी और हमारे पुरखा-पुरोधाओं का अपमान बार-बार किया जाता रहा है, लेकिन अब छत्तीसगढ़िया समाज ऐसे किसी भी कुकृत्य पर चुप नहीं बैठेगा। हमारी अस्मिता पर चोट करने वालों के खिलाफ कानूनन कठोर कार्रवाई तय है।

उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान की लड़ाई है। समाज अब संगठित होकर ऐसी हर डिजिटल या सार्वजनिक अभद्रता का जवाब देगा। ज्ञापन सौंपने वालों में में बड़ी संख्या में क्रान्ति सेना के सेनानी, जोहार पार्टी के प्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे, जिसमें प्रमुख रूप से जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिलाध्यक्ष राजेंद्र पटेल, शहर अध्यक्ष साजा सुनील वर्मा, वीरसिंह साहू, राज साहू, तूषार वर्मा, लोकेश साहू, ओमप्रकाश साहू, रूपेश साहू, छन्नूलाल साहू, गोपाल मांडले,राजा नारंग, सुयश कुमार, अमित नारंग, कमलेश सिन्हा, मुकेश सिन्हा सम्मिलित रहे उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी लीलाराम साहू ने दी।

संक्षिप्त समाचार

बीएलए नियुक्ति में आप साफकांग्रेस हाफ

बिलासपुर (समय दर्शन)। केचुएं के आदेश पर स्ढ्क्रप्रारंभ हो ही गई। कांग्रेस का जिला संगठन इसे लेकर कितना गंभीर है उसका अंदाज इस लगता है कि बीएलए नियुक्ति के अंतिम दिन लगभग 2:00 बजे अर्थात 6 नवंबर को कांग्रेस के शहर अध्यक्ष ने बीएलए के लिए नाम सौंपे पर बिलासपुर के 271 बूथ बेलतरा के 33 बूथ और बिल्हा के पांच बूथ के लिए बीएलए नियुक्ति करने की सूची शहर अध्यक्ष ने दे दी। जबकि ग्रामीण जिला अध्यक्ष का फोन कथा सुनाता रहा अटेंड नहीं हुआ। 6 तारीख को निर्वाचन दफ्तर से जो जानकारी प्राप्त हुई उसके अनुसार भाजपा बीएलए नियुक्ति में पूरी तरह गंभीर हैं और उन्होंने बिलासपुर जिले के 6 विधानसभा सीट के 1706 बूथ के लिए अपने बीएलए नियुक्त किए हैं। अन्य राजनीतिक दल आप, सीपीआई, जेसीसी, सीपीआई (एम) में कोई बीएलए नियुक्त नहीं किया। कांग्रेस की संघटनात्मक स्थिति कागजों पर तो मजबूत दिखती है असल में नहीं है। शहर की बात करें तो हर बूथ पर एक अध्यक्ष और 20 की टीम अर्थात 271 बूथ 5691 नाम शहर कांग्रेस ने प्रदेश दफ्तर को भेज रखे हैं। तो 271 नाम देने में इतना समय नहीं लगना चाहिए।

समाधि लिए हुए हैं केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति

बिलासपुर (समय दर्शन)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का केंद्रीय होने का तमग़ा यदि छिन जाए तो इसके कुछ अधिकारियों के खिलाफ गैर जमाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज होते टाइम न लगे। अर्सलान 24 वर्षीय छात्रा की मृत्यु और उसके कुछ ही दिन के बाद वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर डॉक्टर नरेंद्र मिश्रा की अपने कमरे में संदिग्ध मौत इन दो घटनाओं ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की कई पोल पट्टी खोल दी।

पुलिस अर्सलान केस में इस तरह कार्यवाही कर रही है जैसे डॉक्टर ही जिन्होंने पोस्टमार्टम किया दोषी हो। हॉस्टल रिकॉर्ड गायब है पर वार्डन से पूछताछ नहीं हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट कह रही है कि सर पर लगी चोट मौत के पहले की है तो पुलिस डॉक्टर से ही जवाब मांग रही है क्या अर्सलान अंसारी का दोष इतना ही थी कि वह अल्पसंख्यक समुदाय से आ रहा। दूसरी ओर डॉक्टर मिश्रा के कमरे को जब खोला गया तो डॉक्टर मिश्रा जिंदा थे एंबुलेंस में सिम्स पहुंचाया गया तब तक मौत हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि एंबुलेंस में स्ट्रेचर और ऑक्सीजन नहीं थे। विश्वविद्यालय में एक बेहद कमजोर स्वास्थ्य केंद्र है। जिसमें डॉक्टर का होना न होना एक बराबर है। कुलपति और कुल सचिव स्थित प्रज्ञा प्राप्त कर चुके हैं किसी छात्र या प्रोफेसर की मृत्यु पर उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वंदेमातरम के 150 वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वंदेमातरम का गायन

राजनांदगांव। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला में देशभक्ति का माहौल छा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन और दूरदर्शन के राष्ट्रीय प्रसारण के साथ पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 10 से 11 बजे तक किया गया। प्रधानमंत्री के प्रेरक संबोधन के बाद जब वंदे मातरम् के स्वर गूंजे, तो कॉलेज परिसर में मौजूद शिक्षकगण और प्रशिक्षणार्थी देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो उठे।

कॉलेज की प्राचार्य के नेतृत्व में सभी शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से परिसर में एकता, सम्मान और समर्पण की भावना झलक रही थी।

शिक्षकों ने बताया कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की आत्मा और गौरव का प्रतीक है। विद्यार्थियों ने भी इस अवसर पर राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का संकल्प दोहराया।

सभापति नेहा बाबा वर्मा ने नगर पंचायत पाटन के सामान्य सभा में जनहित, छात्रहित एवं भ्रष्टाचार पर की आवाज बुलंद

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में आज सामान्य सभा की बैठक गर्मजोशी के साथ संपन्न हुआ। बैठक में विपक्ष के साथक्कसाथ भाजपा पार्षदों ने भी अपनी बात सदन की पटल में रखे। जिस पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। नगर पंचायत पाटन के सभापति एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 4 नेहा बाबा वर्मा ने सदन के पटल पर जनहित में प्रमुख मुद्दा उठाया।

सभापति एवं पार्षद नेहा बाबा ने वार्ड क्र.04 के विभिन्न गलियों में हुए बी.टी.रोड़ का संधारणा कार्य, स्ष्ठ, क्क्न की राशि से उक्त कार्य को पुन: कराया जाने की मांग की। सुशासन तिहार में विद्युत विभाग को वार्ड कृ. 04 के पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग के लिए आवेदन दिया गया था, जिसके पश्चात वार्ड में सर्वे तो किया गया किंतु आज पर्यन्त तक नगर पंचायत पाटन को आबंटन हेतु स्टीमेट प्रदान नहीं किया गया है। उक्त कार्य को शीघ्र करने की मांग की। वार्ड क्र. 04 के विद्यार्थी हित में पालकों द्वारा बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु निवेदन का विवरण प्रस्तुत किया एवं छात्र छात्राओं जाती प्रमाण पत्र को शीघ्र अतिशीघ्र बनाने की मांग की । पार्षद एवं सभापति नेहा बाबा वर्मा ने आगे वार्ड क्रमांक 5 दशहरा मैदान मे पूर्व स्थित रावण की प्रतिमा को तोडकर नया प्रतिमा स्थापित किया गया है जिसने विभिन्न प्रकार कि अनियमित्तांए है, जिसका सूक्ष्मता पूर्वक जांच की मांग की।

वार्ड क्र0 4 पाटन रेस्ट हाउस के पीछे के समस्त भूमि का सीमांकन कराकर निगर पंचायत के लिए आरक्षित करने की मांग की। वार्ड क्रमांक 05 में किसानो द्वारा धरसा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर फसल उगाया जा रहा है जिसे अतिक्रमण मुक्त काराकर उक्त भूमि को गौमाताओं के चारागाह के लिए आरक्षित करने की मांग की।राजीव सरोवर निर्माण कार्य के दौरान तालाब से कितने घन मीटर मुरम कि खुदाई किया गया था और प्राक्कलन अनुसार कितने घनमीटर मुरम कि खुदाई किया जाना था। तथा सरोवर निर्माण के दौरान खुदाई कि गई मुरम से नगर पंचायत पाटन को कितना राजस्व प्राप्त हुआ है उक्त जानकारी सदन के माध्यम से मांग की गई।

गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा का हिंदू जागरण मंच ने किया स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सिख धर्म के संस्थापक और मानवता के प्रतीक श्री गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा। इससे पहले सोमवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा पंच प्यारों की अगुवाई में गुरु ग्रंथ साहिब की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा गुरुद्वारा परिसर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होती हुई तिरंगा चौक गंज लाइन पहुंची। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। तिरंगा चौक पर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया। शोभायात्रा में घोड़ों पर सवार नन्हे बच्चे, पंच प्यारों की अगुवाई और कीर्तन करते कीर्तनी जत्थे आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे मार्ग में वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन से मानवता, प्रेम, सत्य और भाईचारे का संदेश दिया। उनके बताए रास्ते आज भी समाज को एकता और सद्भावना की ओर प्रेरित करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह पर्व गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

शोभायात्रा के स्वागत में सुशील लड्ढा, प्रवीण शर्मा, प्रभात गुप्ता, राजा हेमलाल ढीमर, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, रिंकू तिवारी, जुगल किशोर गुप्ता, राकेश कालू भाई, रोहित तिवारी, ऋषभ मल, राज सोनकर, राज बहादुर सिंह, शिव शर्मा, दिनेश झूलन, सविता बोस, मौसमी शर्मा सहित हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूरे शहर में शोभायात्रा को लेकर भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी के जयकारों से शहर की फिज़ाओं को गुंजायमान कर दिया।

वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष : राष्ट्रगौरव और जनभागीदारी का वर्षभर चलने वाला उत्सव का शुभारम्भ

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम राष्ट्र की एकता, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत संदेश देता है -योगेश्वर राजू सिन्हा

महासमुंद (समय दर्शन)। वंदे मातरम गीत की 150 वर्ष पूरे होने की खुशी मे सामुहिक राष्ट्रीय गीत गायन का कार्यक्रम महासमुन्द जिला मुख्यालय मे आयोजित किया गया ।

यह देश के लिए गर्व और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय अवसर है। वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर पहले चरण में आज कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

यह राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रात: 10 से 11 बजे तक सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पश्चात पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला पंचायत महासमुंद में आयोजित किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, उपाध्यक्ष भीखम सिंग ठाकुर, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, जिला स्काउट एवं गाइड के जिलाध्यक्ष येतराम साहू, नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पवन पटेल, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ एक स्मरणीय अवसर के साथ राष्ट्र की एकता, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत संदेश है। यह आयोजन नई पीढ़ी को भारत की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हुए उनमें देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय चेतना की भावना को और

गहराई देगा।

वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है, जिसकी गूंज हर नागरिक के हृदय में नई ऊर्जा और गर्व का संचार करेगी।

छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि, इस गीत की रचना 150 पहले आज के ही दिन 7 नवंबर 2025 मे की गयी थी।

वंदे मातरम् जो कभी देश की आजादी के आंदोलनकारियों का अमर वाक्य रहा, आज भी ये मातृभूमि के लिए हमारे अटूट प्रेम की निशानी है।

वंदे मातरम् का पहली बार बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशन हुआ था। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में इसे आनंदमठ में प्रकाशित किया। एक कविता से राष्ट्रीय गीत बनने की वंदे मातरम् की यात्रा कभी न भूलने वाली है।

जिला स्काउट एवं गाइड के अध्यक्ष येतराम साहू ने कहा कि वंदे मातरम् के रचनाकार बंकिम चंद्र चटर्जी 19वीं सदी के बंगाल की सबसे मशहूर साहित्यकार थे। उपन्यास, कविता और निबंधों के जरिये बंगाली साहित्य के साथ उन्होंने राष्ट्रवाद की ऐसी अलख जगाई जो धीरे-धीरे सूरज की रोशनी की तरह फैलती गई। आनंदमठ, कपालकुंडला दुर्गेश नंदिनी और देवी चौधरानी भी उनकी रचना है, इसमें गुलामी के दौर की सामाजिक जकड़न को इलमें दिखाया गया हैं। कलकत्ता में अक्टूबर 1905 में देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए वंदे मातरम संगठन की स्थापना की गई। समुदाय के सदस्य हर रविवार वंदे मातरम् गाते हुए प्रभात फेरी निकालते थे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदुलारी सिन्हा, जगमोती भोई, नैन पटेल, महेन्द्र सिक्का, आनंद साहू, रमेश साहू, राजू चंद्राकर, अरविन्द प्रहरे, शरद मराठा मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डीएमसी रेखराज शर्मा द्वारा किया गया।

चार चरणों में होगा वर्षभर आयोजन- भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में इस ऐतिहासिक पर्व को वर्षभर चलने वाले महाअभियान के रूप में मनाया जा रहा है। देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी यह आयोजन जनभागीदारी के साथ चार चरणों में ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक भव्य रूप में संपन्न किया जाएगा। जिसमें प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ), और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 तक चलेगा। इस दौरान राज्य के सभी जिलों, जनपदों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों एवं सामाजिक संगठनों में राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम विषय पर विशेष सभाएँ, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और स्कूल बैंड के माध्यम से वंदे मातरम् और देशभक्ति गीतों की धुन पर प्रस्तुतियाँ दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ की फिज़ा में गूंजा राष्ट्रगीत, वंदे मातरम् के 150वें स्मरणोत्सव का अवसर बना खास

वंदे मातरम् मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

रायपुर।

'वंदे मातरम् राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को छत्तीसगढ़ में भी बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम् का गायन किया। इस अवसर पर सभी ने वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ आज़ादी की राष्ट्रीय चेतना का पुण्य स्मरण किया और अमर बलिदानियों को नमन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि वंदे मातरम् मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम् के सामूहिक गान का एक प्रवाह, एक लय और एक तारतम्य हृदय को स्पंदित कर देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम् का मूल भाव मां भारती है — यह भारत की शाश्वत संकल्पना, स्वतंत्र अस्तित्व-बोध और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम् भारत की आज़ादी का उद्घोष था, जिसने गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने और स्वाधीन भारत के स्वप्न को साकार करने की प्रेरणा दी। स्वतंत्रता आंदोलन में यह गीत क्रांतिकारियों की आवाज़ बना और यह केवल प्रतिरोध का स्वर नहीं, बल्कि आत्मबल जगाने वाला मंत्र बन गया। श्री मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम् में भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, संस्कृति और समृद्धि की कहानी समाहित है। विदेशी आक्रमणों और अंग्रेज़ों की शोषणकारी नीतियों के बीच 'वंदे मातरम् ने समृद्ध भारत के स्वप्न का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत के नए स्वरूप का उदय देख रही है, जो अपनी परंपरा, आध्यात्मिकता और आधुनिकता के समन्वय से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम् आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था, और यह गीत सदैव हमारे हृदयों में अमर रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह गीत मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम, कृतज्ञता और राष्ट्रधर्म की भावना का शाश्वत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश ने एक स्वर में 'वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर मातृभूमि की वंदना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम् के वर्षभर चलने वाले स्मरणोत्सव का आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्रव्यापी शुभारंभ इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवसर पर वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ ही माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा स्मारक सिक्के का जारी होना एक ऐतिहासिक स्मृति है। श्री बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम् गीत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा रहा है, जिसने सदैव राष्ट्रीय गौरव, एकता और आत्मसम्मान की ज्योति प्रज्वलित की है। यह मातृभूमि की शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक है, साथ ही भारत की एकता और आत्मगौरव की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 7 नवम्बर 1875 को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस कालजयी रचना की सृष्टि की थी, जिसे बाद में उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंद मठ' में शामिल किया गया। मातृभूमि की स्तुति में रचा गया यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की सबसे प्रबल प्रेरणा बना। अनेक क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् कहते हुए हँसते-हँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बन गया।

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग क्षेत्र से दो एक्टिवा वाहन पार

रायपुर। राजधानी रायपुर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो एक्टिवा वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में श्यामनगर तेलीबांधा निवासी संजय कुमार बलानी 43 वर्ष ने सिविल लाइन थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 केआर 3439 को संतकंवर स्कूल के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 5 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में विशाल नगर तेलीबांधा निवासी रमेश कुमार गंगवानी 66 वर्ष ने गोलबाजार थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 सीयू 7164 को रविभवन पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलो में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। सुंदरनगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। मामले में डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी व्यास नारायण शुक्ला 87 वर्ष सीता निवास सुंदरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी रकम सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 70 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

गांजा के साथ चार युवक गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने चौरसिया कालोनी के पास दबिश देकर बुलेट वाहन में गांजा तस्करी करते चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 23 किलो 14 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चौरसिया कालोनी के पास कुछ युवक बुलेट वाहन में गांजा खपाने के लिए ग्राहक तलाश रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी प्रतिक शर्मा 22 वर्ष, मोहम्मद समी, शेख साहरूख व पलख नागवानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 23 किलो 14 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 2 लाख 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मटिया नाला में स्टापडेम निर्माण के लिए 3.36 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग द्वारा बलौदाबाजार-भाटापरा जिल के विकासखण्ड-कसडोल की मटिया नाला में स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 36 लाख 60 हजार रूपए स्वीकृत कए गए है। योजना से निस्तारी, भूजल संवर्धन, पेयजल, आवागमन एवं कृषकों द्वारा स्वयं के साधन से 50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण कराने मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

नवीन समुदायिक भवन का उद्घाटन किया मूणत ने

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 7 क्षेत्र अंतर्गत संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 के अंतर्गत कृष्णा नगर रामनगर क्षेत्र में विभिन्न 8 स्थानों में लगभग 60 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से निर्मित नवीन सामुदायिक भवनों का फीता काटकर लोकार्पण कर नगरवासियों को शानदार सौगात रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे,संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 के पार्षद नगर निगम पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष श्री भोलाराम साहू, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, वार्ड पार्षद श्रीमती मीना ठाकुर, पूर्व पार्षद लोधी समाज के पदाधिकारी श्री मोहन उपारकर,मण्डल अध्यक्ष श्री सन्नी मोहिले, जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति में दी है. वहीं 5 लाख रूपये की लागत से कृष्णा नगर में आंगनबाड़ी भवन के समीप नवीन मितानिन भवन के निर्माण कार्य का श्रीफ्ल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया है.पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने कृष्णा नगर में नए सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर वहाँ नागरिकों की सुविधा और उपयोग हेतु शीघ्र शेड निर्माण करवाने के निर्देश जोन 7 के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री भोलाराम साहू, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद श्रीमती मीना ठाकुर, पूर्व पार्षद लोधी समाज के पदाधिकारी श्री मोहन उपारकर सहित कृष्णा नगर रामनगर में लोधी समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर वीरांगना अवन्ति बाई लोधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया।

छत्तीसगढ़ में विकास और विश्वास ने भय और हिंसा का स्थान लिया- सी.पी. राधाकृष्णन

रायपुर। उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें राज्य की विकास, प्रगति और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रेरक यात्रा का जश्न मनाया गया। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, इस ऐतिहासिक रजत जयंती समारोह में छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ शामिल होने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इस पाँच दिवसीय महोत्सव में लोगों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और इसके प्रभावशाली सामाजिक-आर्थिक बदलाव की झलक देखी।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक अंतर्गत मोहला के केवटटोला आरोग्य मंदिर ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, जिसका परिणाम है कि राज्य में जहां नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वहीं आधारभूत संरचनाओं को सशक्त भी किया जा रहा है, जिसका उदाहरण मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में देखने को मिला। जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवटटोला ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में एक नई मिसाल कायम की है।

केंद्र ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्वालिटी सर्टिफिक्रेशन विद कंडीशनलिटी प्राप्त किया है। यह उपलब्धि केंद्र की समर्पित स्वास्थ्य टीम, समुदाय के सक्रिय सहयोग तथा जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों का भी परिणाम है। केंद्र ने 11 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए बाह्य मूल्यांकन में 79.35 प्रतिशत स्कोर प्राप्त किया, जो गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।

केंद्र ने सेवाओं की पहुंच, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा रोगी संतुष्टि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने अपनी कार्यशैली में निरंतर सुधार लाते हुए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। इस उपलब्धि में सामुदायिक सहभागिता और स्टाफकी निष्ठा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार केवटटोला केंद्र ने अपने प्रयासों से यह सिद्ध किया है कि समर्पित योजना और टीम भावना से ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं संभव हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोब्रागड़े ने कहा कि केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह उपलब्धि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत है। आने वाले समय में हम जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को भी इसी दिशा में प्रोत्साहित करेंगे। यह प्रमाणन छह माह की अवधि के लिए प्रदान किया गया है, जिसके दौरान केंद्र पहचाने गए सुधार क्षेत्रों पर कार्य करेगा ताकि पूर्ण गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया जा सके। केवटटोला आयुष्मान आरोग्य मंदिर की यह सफलता जिले में क्वालिटी युक्त, सुलभ और जनोन्मुख स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक सशक्त कदम है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष होने के अवसर पर राष्ट्रगीत से गूंजा पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग

रायपुर। भारत के राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग परिसर में प्रात: 10 बजे भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन किया और देशभक्ति के स्वर से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर श्री प्रतापचंद पारेख, आर्कियोलॉजिस्ट श्री प्रभात कुमार सिंह, पब्लिकेशन ऑफिसर दीप्ती गोस्वामी, चीफ केमिस्ट श्री एफ एस. तिर्की सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डिप्टी डायरेक्टर श्री प्रतापचंद पारेख ने अपने उद्बोधन में कहा, वंदे मातरम केवल गीत नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा और अस्मिता का प्रतीक है। इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में अनगिनत क्रांतिकारियों के मन में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित की थी। आज इसके 150 वर्ष पूरे होने का अवसर हमें

अपनी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की भावना को और प्रगाढ़ करने का संदेश देता है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरातत्व विभाग की जिम्मेदारी केवल धरोहरों के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि उन भावनाओं को भी जीवित रखना है जिन्होंने राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया है। कार्यक्रम के अंत में 'वंदे मातरम' के इतिहास और इसकी रचना प्रक्रिया पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। सभी उपस्थित अधिकारियों ने संकल्प लिया कि राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की यह भावना आने वाली पीढ़ियों तक निरंतर प्रवाहित होती रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा चरडोंगरी, खड़ौदा खुर्द एवं रघ्घुपारा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ आत्मीयता पूर्वक सीधे संवाद किया। इस दौरान वे ग्राम चरडोंगरी, खड़ौदा खुर्द एवं रघ्घुपारा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। जहां उन्होंने अपने सरल सहज अंदाज में लोगों से आत्मीय भेंट की। ग्राम चरडोंगरी पहुँचकर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनके हाल-चाल जाने। उन्होंने ग्रामीणों से उनकी मांगों, समस्याओं और शिकायतों को विस्तार से सुना तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार का उद्देश्य हर ग्राम तक विकास की रोशनी पहुँचाना है और शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सुनिश्चित करना है।

इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

ग्राम खड़ौदा खुर्द पहुँचे, जहाँ उन्होंने स्वर्गीय लोकनाथ साहू के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद उन्होंने ग्राम रघ्घुपारा में आयोजित स्वर्गीय श्री लक्ष्मण दास पटेल जी के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष पटेल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा, उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामीण उपस्थित थे।

वंदे मातरम् पर प्रधानमंत्री मोदी का देशभक्ति और एकता का संदेश

वंदे मातरम् के सामूहिक गायन ने जगाई राष्ट्रभाव की अनुभूति

रायपुर। भारत की राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा का प्रतीक राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में स्वाभिमान और देशभक्ति का स्वर जगाता है। इसी अमर रचना की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज देशभर में एक भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'वंदे मातरम्' हमारे राष्ट्र की आत्मा का स्वर है। यह गीत भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के मन में स्वाभिमान, साहस और संघर्ष की ज्योति जगाने वाला रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति आदर, सम्मान और भावनात्मक एकता

का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर, स्वाधीनता संग्राम और राष्ट्रीय मूल्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और सेवा की भावना का सशक्त स्वर है, जिसे आज देश का प्रत्येक नागरिक अपने मन में संजोए हुए है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर यह 150वीं वर्षगांठ न केवल स्मरण का अवसर है, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प भी है। 'वंदे मातरम्' ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों में स्वाभिमान और देशप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित की थी, और यह आज भी नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें इस अमर राष्ट्रीय धरोहर को केवल गान के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और कर्तव्यनिष्ठा के रूप में आत्मसात करना चाहिए, ताकि हम सभी मिलकर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। इस दौरान सभागार में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने एक साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। सामूहिक स्वर में गूँजते 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से सम्पूर्ण वातावरण देशभक्ति और उत्साह की भावना से भर उठा।

इस अवसर पर कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, श्रीमती सुष्मिता अनंत, कमला बरेठ, सावित्री कंवर, पूर्व महापौर श्री जोगेश लांबा, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी श्री लक्ष्मीकांत जोशी, श्री राजीव सिंह सहित प्रभारी कलेक्टर श्री आशुतोष पांडे, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल अन्य जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

निर्वाचन आयोग के हठ

एसआईआर की जरूरत एवं उसके औचित्य पर कोई सवाल नहीं है। मुद्दा वो माहौल है, जिसमें इसे आगे कराया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के हठ के कारण सवाल और संदेहों से भरा ये माहौल आगे भी जारी रहने वाला है। निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन इसके पहले विपक्ष की आपत्ति और शिकायतों पर गौर करने की जरूरत उसने नहीं समझी। बेशक, बिहार की तुलना में अब अपनाई जा रही प्रक्रिया में कुछ सुधार किए गए हैं। बिहार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए, 12 राज्यों की एसआईआर प्रक्रिया में उन्हें शामिल कर लिया गया है। लेकिन उल्लेखनीय है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आया है। उधर कर्नाटक में संगठित रूप से मतदाताओं के नाम हटाने के मामले की चल रही एसआईटी जांच से संबंधित प्रक्रिया भी अपने अंजाम तक नहीं पहुंची है। इन सबसे अप्रभावित रहते हुए एसआईआर को आगे बढ़ाने का निर्णय विपक्षी दलों में नए संदेह को जन्म दे चुका है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, सीपीएम आदि की प्रतिक्रियाएं इसकी मिसाल हैं। समस्या निर्वाचन आयोग का जाहिर होने वाला नजरिया है, जिससे नहीं लगता कि वह विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया में समान हितधारक मानता हो! विपक्ष के एतराज को जैसे वह ठेंगे पर रखता है। विपक्ष की शिकायतों पर निष्पक्ष रेफरी की भूमिका अपनाने के बजाय अतीत में वह एक पक्ष बनता नजर आया है। उसके इस रुख का गहरा साया भारतीय चुनावों पर पहले ही पड़ चुका है। इसकी मिसाल बिहार है, जहां विधानसभा चुनाव में भाग लेने के बावजूद विपक्षी नेता नई मतदाता सूची को लेकर संदेह जताते और चुनाव प्रक्रिया के स्वच्छ रहने को लेकर आशंका जताते सुने गए हैं। निर्वाचन आयोग चाहता तो इससे सबक लेते हुए ताजा घोषणा से पहले 12 राज्यों में हित रखने वाले तमाम दलों के साथ संवाद कायम कर सकता था। उससे भरोसे का माहौल बनता, जिससे ये प्रक्रिया बिना विवादास्पद हुए आगे बढ़ती। गौरतलब है कि एसआईआर की जरूरत एवं उसके औचित्य पर कोई सवाल नहीं है। मुद्दा उसे कराने का तरीका और वो माहौल है, जिसमें इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग के हठ के कारण सवाल और संदेहों से भरा ये माहौल आगे भी जारी रहने वाला है।

सब कुछ मोदी-शाह के प्रबंधन

हरिशंकर व्यास

और आईने में वही है जो लालू, राबड़ी और नीतीश का 45 साला जंगल राज है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डबल इंजन सरकार, विकसित भारत का चाहे जितना शोर बनवाएं वह सब बिहार में धूल है! मैंने 1984 के लोकसभा चुनाव से बिहार को कवर करते करते 45 साल खपा दिए पर यह शाश्वत सत्य यथावत है कि बिहार कभी नहीं बदल सकता और भारत भी नहीं! लालू-राबड़ी को अफसर (जैसे राजबाला वर्मा) चलाते थे वैसे नीतीश कुमार को दीपक कुमार आदि चलाते आए हैं। वैसे ही नरेंद्र मोदी को पीके मिश्रा, डोवाल, जयशंकर आदि अफसर। नीतीश ने खुद को, बिहार को सोशल इंजीनियरिंग में जर्जर बनाया तो नरेंद्र मोदी ने धर्म-जात की डबल इंजीनियरिंग में भारत को जर्जर! पचास सालों से (जेपी आंदोलन के हल्ले से) बिहार में सामाजिक क्रांति देख रहा हूं। मगर उसी अनुपात में समाज पहचान की भूख का नशेड़ी बना रहा है। विकास नाम की चिड़िया कही नहीं। सब पॉवर, पहचान, गरीबी की तमाम दरिद्रताओं में जी रहे हैं। पचास साल पहले भी दिवाली-छठ पर लोग रेल-बस में कैटल क्लास की तरह आते जाते थे तो इस दफा भी छठ से पहले पूरे देश में बिहार के लोग वैसी ही नियति में सफर करते दिखे। नरेंद्र मोदी-अमित शाह की उपलब्धि है जो जात के संग धर्म और पैसे की इंजीनियरिंग में भी लोगों को बांध दिया। दिमागी जड़ता में अंधविश्वासों व बाजार की नई धार बनाई। प्रदेश के धंधों-ठेकेदारी में बालू माफिया को छोड़ बाकी क्षेत्रों में अब दक्षिण भारत या गुजराती सेठ ठेकेदार-व्यापारियों का बाजार पर कब्जा है। मुनाफे-भ्रष्टाचार के आयाम क्योंकि भरपूर हैं तो इसकी बदौलत सड़कों के जाल, बिजली की सप्लाई और सुरसा जैसी फैली आबादी का बाजार चमचमाता हुआ है। लेकिन न उसमें 'मेड इन बिहार' है और 'न मेड इन भारत' और न लोकल रोजगार! बिहार की खूबी अब शिक्षा (कभी हुआ करती थी), राजनीतिक चेतना नहीं है, बल्कि बेगारी, बेरोजगारी और जातियों के नए-नए झंडारोहण हैं! इस सबसे ऊपर बिहार का वोट की मंडी में कनवर्ट होना है। कभी बिहार बुद्ध से लेकर आजादी के आंदोलन, माओवादी विचारों, समाजवादी विचारों, जेपी आंदोलन, संपूर्ण क्रांति, मंडल क्रांति में दिमागी फितरत लिए होता था। अब वह मंडी है, जिसमें मोदी-नीतीश सरकार ने नकद पैसा बांट कर बिहारियों में नई सियासी बारहखड़ी सिखलाई है। घर-घर नोट के बदले वोट का विमर्श है। मतलब बालू के ठेकेदारों, शराब के ठेकेदारों, जाति-उपजातियों के ठेकेदारों, धर्म के ठेकेदारों के बाद बिहार की नई राजनीति का नाम है दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए बांट कर पांच साल के लिए वोटों की खरीदारी का पुख्ता दर्शन! तभी मेरा मानना है विधानसभा चुनाव का फैसला जात-पांत की बजाय वोट बाजार से होगा। इस बाजार में न राहुल गांधी की जाति जनगणना का अर्थ है न तेजस्वी-मुकेश सहनी के समीकरणों का और न नीतीश कुमार की सोशल इंजीनियरिंग का। प्रशांत किशोर के कथित जन सुराज का तो खैर रत्ती भर अर्थ नहीं है। सब कुछ मोदी-शाह के प्रबंधन, रेवड़ियों, नोट और वोट की गणित में होगा! चाहे तो इसे बिहार का विकसित आईना मानें!

भारतीय महिला क्रिकेटः नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

ललित गर्ग

2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ-साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है। विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है।

यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीक की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया।

इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं। यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है।

महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट बैट थामे सपना देखती है कि एक दिन वह भी भारत के लिए खेलेगी। यह स्वर्णिम विजय हमें यह संदेश देती है कि भारत की नारी अब हर क्षेत्र में खेल बदलने के लिए तैयार है। जय शाह जैसे सक्षम नेतृत्व और खिलाड़ियों की प्रतिभा से सुसज्जित यह टीम आने वाले समय में विश्व क्रिकेट का नया अध्याय लिखेगी, जहाँ हर शॉट में आत्मविश्वास होगा, हर गेंद में संकल्प, और हर जीत में भारत की बेटियों की दमकती मुस्कान। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ खेल नहीं रही हैं बल्कि वे इतिहास रच रही हैं।

देश पर छा रहे अनेकानेक उजालों के बीच महिला विश्व कप 2025 रूपी उजाला देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे गया। संदेश दे गया कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। महिलाओं की इस करिश्माई उपलब्धि के बाद अखबारों के शीर्ष में यह समाचार छपा और सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने खिलाड़ीपन के लम्बे रन-अप को पल-पल जीया है। इस दौरान बहुत कुछ पीया है तभी वे विश्व विजेता बनी। वरना यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है।

सम्मान, पदवी, उपाधियां, अलंकरण बहुतों को मिलते हैं पर सही सीने पर सही तमगा और सही नाम के आगे सही सम्बोधन कभी-कभी लगता है। जैसा महिला विश्व कप 2025 की भारतीय महिला खिलाड़ियों के सीनों पर लगा है। जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एक एकाग्रता का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अपने देश में हर बल्ला उठाने वाला अपने को गावस्कर, तेंगुलकर विराट कोहली, रोहित समझता है, हर बॉल पकड़ने वाला अपने को कपिल-अर्शदीप, बुमराह समझता है। हॉकी की स्टिक पकड़ने वाला हर खिलाड़ी अपने को ध्यानचंद, हर टेनिस का रेकेट पकड़ने वाला अपने को रामानाथन कृष्णन समझता है। और भी कई नाम हैं, मिल्खा सिंह, पी.टी. उषा, प्रकाश पादुकोन, गीत सेठी, जो माप बन गये हैं खेलों की ऊंचाई के। आज शेफाली हो स्मृति या फिर जेमिमा हो या दीप्ति आज माप बन गयी है और जो माप बन जाता है वह मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ स्थिति है। यह अनुकरणीय है। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सलाम।

बिहार विधानसभा चुनावों में फ्रेंडली फाइट क्या है और क्यों हो रही है

अजय दीक्षित

कांग्रेस, राजद, वीआइपी और सीपीएम ने बिहार विधानसभा चुनावों में 11 स्थानों पर जैसे वैशाली, कहलगांव, शिवहर, चैनपुर तथा अन्य 7 पर आपस में महागठबंधन होते हुए उम्मीदवार उतार दिए हैं। और लड़ाई को फ्रेंडली फाइट नाम दिया है इन विधानसभा चुनावों में एनडीए का उम्मीदवार अलग से है ही। बताया जाता है इन 11 स्थानों के अलावा राजद, कांग्रेस नेता एक दूसरे के खिलाफ खूब प्रचार कर रहे हैं और राहुल गांधी,राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हाथ पर हाथ रख कर बैठे हुए हैं। उल्लेखनीय हैं कि बिहार विधानसभा चुनावों में राजद 141, कांग्रेस 62, वीआईपी 12, सीपीएम 19 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। फ्रेंडली फाइट में 5 सीट पर राजद और कांग्रेस,चार सीट पर कांग्रेस और वीआईपी,दो सीट पर कांग्रेस और सीपीएम आमने सामने हैं। इस सर्कस को फ्रेंडली फाइट कहते हैं। बिहार के शिवहर से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि ये सब उनके प्रभाव वाले क्षेत्र मध्य बिहार में हो रहा है। पप्पू यादव ने कहा है कि उन्होंने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश साहनी से बातचीत की लेकिन किसी ने नहीं मानी और लिस्ट जारी कर दी। हिंदुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर ने बताया है कि महागठबंधन में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। जबकि सामने एनडीए जैसा प्रतिद्वंद्वी है जो व्यवस्थित चुनाव लड़ रहा है उन्होंने हम पार्टी के जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा को मना लिया और पत्ता नहीं खड़का, जेडीयू भी 101 पर राजी हो गया और भारतीय जनता पार्टी ने अधिक से कम सीट पर समझौता कर लिया। ये फ्रेंडली फाइट शब्द डब्ल्यूडब्ल्यूएफ कुश्ती से आया है। जिसमें खली लड़ता था और राजनीति में बंगाल से आया जब 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और तृणमूल में संघर्ष हुआ और कांग्रेस ने इतने वोट काटे कि दस सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की।दरअसल बिहार में कांग्रेस को राजद की वैशाखी की जरूरत है यह सिलसिला 1991 से चल रहा है। लेकिन अब तेजस्वी यादव इसे आधे अधूरे मन से चला रहे हैं। कांग्रेस 2020 के चुनावों में 70 सीट पर लड़ी थी और केबल 19 पर जीत हासिल हुई।जबकि राजद 125 पर लड़ा और 74 पर जीत हुई । तेजस्वी का मानना था कि कांग्रेस के कारण वे सत्ता में नहीं आ पाए हालांकि नीतीश कुमार ने बीच में पलटा खा कर तेजस्वी यादव को उप मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया था लेकिन नीतीश कुमार अधिक समय तक उन्हें झेल नहीं सके तब नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मारी और 2024 के लोकसभा से पहले एनडीए में शामिल हो गए। राजद और कांग्रेस का महागठबंधन भी कमजोर है 11 सीट पर फ्रेंडली फाइट हो रही है और इन सीटों पर महा गठबन्धन गच्चा खा सकता है।2020 के चुनावों में 400 हजार वोट के फर्क से एनडीए सत्ता में आ गया था।

मेडिकल पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी समेत भारतीय भाषाओं में डॉक्टर बोल-बतिया सकते हैं, मरीजों की तकलीफ की जानकारी भी ले सकते हैं, लेकिन उनके सामने जब इलाज, टेस्ट और दवा सुझाने की बारी आती है तो अंदर की अंग्रेजी स्वाभाविक रूप से उभर आती है। अंग्रेजी भी वैसी नहीं, अक्षर घसेटू। कुछ डॉक्टरों की पर्चियां तो ऐसी होती हैं, जिन्हें अनुभवी फार्मासिस्ट और पैथोलॉजिस्ट भी पढ़ पाने में नाकाम रहता है। लेकिन यह स्थिति बदलने जा रही है। अब डॉक्टरों को हिंदी में भी पर्चा लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स' ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है। एम्स की यह पहल स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आदेश का नतीजा है। जिसमें मंत्रालय ने प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे धीरे-धीरे हिंदी में कामकाज शुरू करें। इस आदेश के बाद एम्स के हिंदी अनुभाग ने अपने सभी विभागों के कामकाज में हिंदी के उपयोग की शुरुआत करने को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें सिर्फ डॉक्टरों के हिंदी में पर्चे लिखने की ही बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी फाइलों की नोटिंग, आपसी पत्राचार और दस्तावेजों में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाने की बात कही गई है।

आज औपचारिक जीवन में अंग्रेजी के जारी वर्चस्व की पृष्ठभूमि अंग्रेजी माध्यम के जरिए औपचारिक पढ़ाई की 1860 में हुई शुरूआत है। जिसका मकसद सिर्फ भारत में अंग्रेजी जानने वाले बाबुओं को तैयार करना ही नहीं, बल्कि देसी 'मानस' को अंग्रेजी मानस में परिवर्तित करना भी था। अंग्रेजों की यह कोशिश सफल रही। जिसका असर आज भी न्याय, प्रशासन, इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे क्षेत्रों में दिखता है। और तो और, भाषायी माध्यम वाली बौद्धिकता को भी अपने यहां वैसी प्रतिष्ठा हासिल नहीं है, जैसी अंग्रेजी माध्यम वाले बौद्धिकों की है। नीति निर्माण में अब भी उसी नौकरशाही का दखल ज्यादा है, जो अंग्रेजी माध्यम में पढ़ी-लिखी है। हालांकि प्रशासन आदि में धीरे-धीरे ही सही, हिंदी समेत भारतीय भाषाओं का दखल बढ़ रहा है। लेकिन उच्च न्यायपालिका, मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अब भी इस दिशा में आगे बढ़ने को लेकर हिचक दिखती है।

अंग्रेजी माध्यम के वर्चस्व को देखते हुए अरसे से मांग रही है कि जिसे न्याय दिया जा रहा है, उसे पता होना चाहिए कि न्याय हो भी रहा है या नहीं, न्यायिक कार्यवाही सही तरीके से चल रही है या नहीं। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी तर्क दिया जाता रहा है कि मरीज को यह जानने का अधिकार है कि उसका किस रोग का इलाज हो रहा है, उसका कौन-सा टेस्ट कराया जा रहा है और उसे कौन-सी दवा दी जा रही है? भले ही उच्च न्यायपालिका में न्याय और न्यायिक कार्यवाही में अब भी भारतीय भाषाओं एवं हिंदी की भूमिका को सहज स्वीकार्यता नहीं मिल पाई हो। लेकिन अब मेडिकल की दुनिया में भारतीय भाषाओं और हिंदी की भूमिका बढ़ने की पीठिका तैयार हो गई है। न्याय में भारतीय भाषाओं की दखल बढ़ाने को लेकर टालमटोल करती रही न्यायपालिका मानने लगी है कि मरीजों को उसके इलाज आदि को जानने का हक संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिला हुआ है। न्यायपालिका ने मरीजों के इस हक को बीते तीस अगस्त को स्वीकार किया। इसी दिन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डॉक्टरों द्वारा लिखे पर्चे को साफ और स्पष्ट होने का निर्देश दिया था। अदालत ने तब कहा था कि सभी मेडिकल पर्चे और जांच रिपोर्ट साफ अक्षरों में लिखी जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा था कि सरकारी और निजी अस्पतालों-दोनों को यह व्यवस्था लागू करना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा था कि डॉक्टरी पर्चे कैपिटल अक्षरों में या टाइप या डिजिटल रूप में होने चाहिए। अदालत ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग यानी एनएमसी से भी कहा था कि वह मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ लिखावट अपनाने के लिए प्रेरित करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब तक कंप्यूटर से पर्ची लिखने की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल अक्षरों में ही पर्चे लिखें।

इस अदालती आदेश के संदर्भ में कह सकते हैं कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नये फैसले को एम्स द्वारा अमल करना मरीजों के हक की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भारतीय भाषाओं को प्रशासन, न्याय और इलाज का माध्यम बनाने की कोशिशें परवान चढ़ेंगी। इससे भारतीय भाषाओं को मजबूती भी मिलेगी। इसी आदेश के आलोक में, एम्स अपने यहां मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी माध्यम में कराने की तैयारी में है। ध्यातव्य है कि कई राज्यों में बारहवीं तक परीक्षा और पढ़ाई का माध्यम हिंदी या भारतीय भाषाएं ही हैं। इन माध्यमों के मेधावी छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए चुने जाते रहे हैं, मेडिकल में पहुंचते ही अचानक से उनका पल्ला अंग्रेजी माध्यम से पड़ जाता है। उनके सामने अचानक आया अंग्रेजी माध्यम उन पर दबाव बढ़ा देता है। इस दबाव में कई प्रतिभाएं असमय ही मौत का रास्ता अख्तियार करती रही हैं। इसी संदर्भ में अरसे से मांग होती रही है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई में हिंदी माध्यम भी होना चाहिए। चूंकि मौजूदा केंद्र सरकार और उसकी वैचारिकी भारतीय भाषाओं की पक्षधर है। वैसे समाजवादी आंदोलन और उसके प्रेरणा पुरूष डॉ राममनोहर लोहिया भी हिंदी के पक्षधर रहे हैं। अतीत में केंद्र और कई राज्यों में समाजवादी सरकारें रहीं। लेकिन उन्होंने कभी इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किया। इस संदर्भ को देखते हुए भारतीय भाषाओं के समर्थक मौजूदा केंद्र और बीजेपी शासित राज्य सरकारों के आभारी हो सकते हैं कि उन्होंने भारतीय भाषाओं की पक्षधरता दिखाई है।

मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम से कराने की चर्चा जब से शुरू हुई है, मेडिकल तबका ही उसका सबसे बड़ा विरोधी रहा है। कई तो ऐसे भी रहे, जिन्होंने इस विचार को हंसी में ही उड़ा दिया। इस सोच को जमीनी हकीकत बनाना असंभव भी बताया जाता रहा है। ऐसे माहौल में मध्य प्रदेश सरकार अग्रणी बनी, और उसने 16 अक्टूबर 2022 को मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करा दी। अब एमबीबीएस की पढ़ाई पहले साल के तीन विषयों एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई हिंदी माध्यम से जारी है। वैसे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी छात्रों को उनकी मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा दिलाने की वकालत करती है। स्वाभाविक है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई के लिए हिंदी में मेडिकल की किताबों की जरूरत बढ़ेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई, जिसने पाठ्यक्रम से जुड़ी हिंदी में किताबें तैयार की है और इस दिशा में काम जारी है। अब छत्तीसगढ़ और बिहार जैसे कुछ राज्यों ने भी हिंदी में मेडिकल शिक्षा शुरू करने की घोषणा की है। इसी तरह हिंदी माध्यम में इंजीनियरिंग की पढ़ाई सितंबर 2021 में आईआईटी बीएचयू में शुरू हुई। इसके तहत बीटेक के पहले साल के छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। नवंबर 2022 में उत्तर प्रदेश के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय भी बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई हिंदी में शुरू कर चुका है। निश्चित तौर पर यह कदम ग्रामीण पृष्ठभूमि और भारतीय भाषाओं के माध्यम के छात्रों के लिए फायदेमंद होगा। वे नाहक तनाव से बच सकेंगे। कुछ इसी तरह हिंदी में इलाज और टेस्ट के लिए लिखे जाने वाले पर्चे भी आम मरीजों के लिए लाभप्रद होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस आदेश को लागू होने में शुरूआती दिक्कतें तय हैं। इसका कारण करीब एक साठ सालों की अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से बना मानस है। फिर भी यह आदेश इस जड़ता तोड़ेगा। निश्चित रूप से इससे भारतीय भाषाओं का मान बढ़ेगा, मरीजों के इलाज में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

घर में रखें फेंगशुई के 5 लकी आइटम्स, बढ़ेगी रौनक

वास्तु शास्त्र की ही तरह कई उपाय व तरीके बताएं गए हैं। इन तरीकों की मदद से आप अपने घर का माहौल खुशहाल बना सकते हैं। फेंग शुई चीनी शास्त्र है, जिसकी मदद से घर की नेगेटिव एनर्जी को भी कम किया जा सकता है। फेंग शुई चीनी शास्त्र में कुछ ऐसी चीजें भी बताई गई हैं, जिन्हे घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं फेंग शुई के किन लकी आइटम्स को घर में रखने से रौनक बनी रहती है-

ईविल आई

अगर आप बुरी नजर से परेशान हैं तो अपने घर में ईविल आई ले आएं। घर में ईविल आई रखने से घर व परिवार के सदस्यों को बुरी नजर से बचाया जा सकता है।

जेड प्लांट

जेड प्लांट काफी लकी माना जाता है। मान्यता है इस पौधे को घर के एन्ट्रेंस पर रखने से पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है और नेगेटिव एनर्जी दूर होती है। न केवल ये पौधा ऑक्सीजन बढ़ाएगा बल्कि सुख-समृद्धि में वृद्धि भी करेगा।

कछुआ

फेंग शुई विद्या के अनुसार, घर में कछुआ रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में उत्तर की दिशा का संबंध धन के देवता कुबेर जी से है। इसलिए उत्तर दिशा में पानी के जार में कछुआ रखने से आर्थिक दिक्कतें दूर हो सकती हैं। उत्तर दिशा में कछुआ रखने से भगवान कुबेर की कृपा दृष्टि बनी रहती है।

चीनी सिक्के

फेंग शुई विद्या में चीनी सिक्कों का काफी महत्व है। माना जाता है इन सिक्कों को लाल रंग के कपड़ें में बांधकर तिजोरी के अंदर रखने से दरिद्रता दूर होती है और सुख-समृद्धि का वास होता है।

क्रिस्टल

फेंगशुई विद्या के अनुसार, घर में फेंग शुई क्रिस्टल रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में क्रिस्टल रखने से घर की समृद्धि बरकरार रहती है।

मार्गशीर्ष माह में करें स्नान, दान और दीपदान

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के बाद आने वाला मार्गशीर्ष माह धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस वर्ष 2025 में मार्गशीर्ष माह की शुरुआत 6 नवंबर, गुरुवार से होगी और इसका समापन 4 दिसंबर 2025 को मार्गशीर्ष पूर्णिमा के साथ होगा। यह महीना जप, तप, ध्यान और भक्ति के लिए श्रेष्ठ माना गया है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस माह में स्नान, दान और दीपदान करने से पापों का नाश होता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कब से शुरू हो रहा है मार्गशीर्ष माह 2025?

पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष महीने की शुरुआत 6 नवंबर 2025, गुरुवार से हो रही है। कार्तिक पूर्णिमा के अगले दिन से ही इस पवित्र माह का आरंभ हो जाता है और इसका समापन 04 दिसंबर 2025 को मार्गशीर्ष पूर्णिमा के साथ होगा। यह पूरा महीना जप, तप और ध्यान के लिए सर्वोत्तम माना जाता है।

किन देवी-देवताओं की करें पूजा

मार्गशीर्ष माह में विशेष रूप से भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण, माता लक्ष्मी और तुलसी जी की पूजा का विधान है।

भगवान विष्णु व श्रीकृष्ण : प्रतिदिन "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप करें और गीता का पाठ करें।

माता लक्ष्मी : उनकी आराधना से घर में सुख-समृद्धि और धन की वृद्धि होती है।

तुलसी जी : तुलसी को जल अर्पित करें और उनकी परिक्रमा करें, इससे मन की शुद्धि होती है।

चंद्रमा पूजा : मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की पूजा करने से मानसिक शांति और संतुलन प्राप्त होता है।

स्नान, दान का विशेष महत्व

इस माह में गंगा, यमुना या किसी भी पवित्र नदी में सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अत्यंत फलदायी होता है। यदि नदी में स्नान संभव न हो तो नहाने के पानी में तुलसी के पत्ते डालकर स्नान करना चाहिए। इस महीने में सामर्थ्य अनुसार अन्न, वस्त्र, कंबल, गुड़ और तिल का दान करना बहुत शुभ माना जाता है।

दीपदान और दान से खुलते हैं स्वर्ग के द्वार

शाम के समय तुलसी के पौधे और मंदिर में दीप जलाने से जीवन में सकारात्मकता आती है। सामर्थ्य अनुसार अन्न, वस्त्र, कंबल, गुड़ और तिल का दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। दान-पुण्य से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं।

बिना थकावट ही हांफने लगते हैं आप?

एक्सपर्ट से जानिए इसके कारण

लगातार या हैवी काम करते हैं, तो इससे शरीर थकने लगता है, लेकिन कई बार हमें कम मेहनत करने पर भी हांफने या थकावट की समस्या होनेइ लगती है। वहीं, अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है, तो इसका कारण किसी तरह ही स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। ऐसे लक्षणों को महसूस करना बिल्कुल भी सामान्य नहीं है। ऐसी स्थिती में सांस का अचानक भारी होना या सांस लेते समय छाती में जकड़न महसूस होने जैसी दिक्कत हो सकती है। बिना कोई काम किए बार-बार थकने की समस्या का कारण खराब डाइट या फिर कुछ मेडिकल कंडीशन भी हो सकती है।

एनीमिया हो सकता है कारण

एक्सपर्ट कहते हैं कि एनीमिया के कारण शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाने के कारण हांफने की समस्या हो सकती है। जब खून में हीमोग्लोबिन कम होता है, तो ऑक्सीजन का फ्लो कम हो जाता है। इससे भी सांस लेने में भारी महसूस हो सकता है।

दिल संबंधी दिक्कत

अगर आपका दिल सही तरीके से काम नहीं कर रहा तो भी शरीर के अलग-अलग अंगों तक ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं हो पाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि हार्ट वाल्व में फेलियर होने के कारण भी हांफने की दिक्कत हो सकती है।

तनाव और चिंता

शायद आपको भी यकीन न हो पाए लेकिन तनाव और चिंता भी थकावट का कारण बनते हैं। ज्यादा तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। इससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

एक्सपर्ट से जानिए कैसे करें बचाव

अपनी डाइट में आयरन, विटामिन बी-12 और फोलिक एसिड वाली चीजों को शामिल करें। इससे खून मेंऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें। ब्रीदिंग एक्सरसाइज करना भी काफी फायदेमंद होगा। अगर बार-बार हांफने की समस्या हो रही है तो डॉक्टर की सलाह लें और अपने खून की जांच करवाएं। इसके अलावा, स्ट्रेस यानी मानसिक तनाव को कम करने के लिए मेडिटेट करें।

बच्चों को रखना है फिट?

इन आदतों को लाइफस्टाइल में कराएं शामिल

बच्चों की फिटनेस को बेहतर बनाना माता पिता की जिम्मेदारी है। उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बचपन से ही ध्यान देना जरूरी है। दरअसल, मेट्रो सिटी कल्चर में बच्चों का जहां स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है, आउटडोर खेल और शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए आप कुछ सिंपल उपाय अपना सकते हैं जो उनकी फिटनेस को सुधारने में सहायक होंगे।।।

आउटडोर गेम्स : बच्चों को शरीर ग्रो करे इसके लिए उन्हें फिजिकल एक्टिविटीज में सक्रीय रखना बहुत जरूरी होता है। फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, साइकलिंग जैसे आउटडोर खेल उन्हें न सिर्फ फिजिकली फिट रखते हैं, बल्कि उनके शरीर की सहनशक्ति और मांसपेशियों को भी मजबूत बनाते हैं। आउटडोर गेम्स से बच्चों का स्टैमिना बढ़ता है और उनमें टीम वर्क और खेल भावना भी डेवलप होती है।

योग का अभ्यास : योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर रखता है। आप अपने बच्चों को ताड़ासन, वृक्षासन, सूर्य नमस्कार जैसे योगासन सिखाएं, जो उनकी फिटनेस में सुधार करेंगे। इन आसनों से बच्चों का संतुलन, एकाग्रता और लचीलापन भी बढ़ेगा और वे शांत भी बनेंगे।

भरपूर नींद जरूरी : बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में नींद का बड़ा योगदान होता है।, 6-12 साल के बच्चों के लिए 9-12 घंटे और 13-18 साल के किशोरों के लिए 8-10 घंटे की नींद जरूरी है। इससे उनकी याददाश्त, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत रहती है।

संतुलित आहार : बच्चों के बेहतर ग्रोथ और फिटनेस के लिए न्यूट्रिशन और हेल्दी डाइट भी जरूरी है। उनके खाने में हरी सब्जियां, फल, अनाज, दालें, और डेयरी प्रोडक्ट शामिल करें, जिससे उन्हें प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व मिल सकें।

स्क्रीन टाइम : बच्चों का स्क्रीन टाइम जितना कम हो, उतना अच्छा होगा। अधिक मोबाइल या टीवी देखने से न केवल उनकी आंखों के लिए खतरनाक है, बल्कि यह मोटापा, अनिद्रा, और मानसिक तनाव का भी बढ़ा सकता है।

इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने बच्चे के हेल्थ को बेहतर रख सकेंगे।

अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं

फेस्टिवल्स खत्म हो जाएंगे और सोमवार से सब डेली रूटीन में लग जाएंगे। दिनचर्या का सबसे बुरा पार्ट होता है जब हम अलार्म लगाकर सोते हैं और सुबह अलार्म की आवाज से झटके से उठते हैं और सारा मूड खराब होता है। हर इंसान थोड़ी देर और सोना चाहता है, लेकिन काम की जल्दी सबको होती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी सुबह अच्छी, शांत और खुशनुमा हो। जिससे कि ना केवल माइंड रिलैक्स रहे बल्कि शरीर को पॉजिटिव एनर्जी मिले और पूरा दिन अच्छा गुजरे। तो अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं।

ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें

अपने मोबाइल, घड़ी में ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें। ऐसे अलार्म टोन जो तेज आवाज में बजते हैं और जिन्हें सुनकर आप झटके में उठकर बैठ जाते हैं। इस तरह के अलार्म ज्यादातर स्नूज करके लोग सो जाते हैं। साथ ही इन अलार्म टोन से निगेटिव वाइब्स मिलती है और हर किसी को लगता है कि बस काम के लिए देर हो रही है।

सेट करें मन को शांत करने वाले अलार्म

ज्यादातर लोग रात को अलार्म लगाकर सोते हैं। जब आप पूरी तरह से अलार्म पर ही डिपेंड हैं तो हमेशा ऐसे अलार्म टोन को सेट करें जो ना केवल धीरे से बचे बल्कि मन को शांत करें। किसी इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक या अपने फेवरेट सूदिंग म्यूजिक को सेट करें। जिसकी आवाज कानों में पड़े तो आपका मूड फ्रेश हो जाए और उठने में अच्छा लगे।

लगाएं कोई धार्मिक मंत्र

पॉजिटिव एनर्जी के लिए लोग धार्मिक चीजों पर डिपेंट करते हैं। तो आप अपने अलार्म टोन के लिए किसी धार्मिक मंत्र या म्यूजिक को चुन सकते हैं। जिसे सुनकर आप एनर्जेटिक और पॉजिटिव फील करें। इस तरह की आवाज जब कानों में पड़ती है तो माइंड रिलैक्स होता है और खुश होता है। जिससे आप तेजी से अपने रूटीन में लग जाते हैं और पूरा दिन माइंड फ्रेश रहता है।

सेहत के लिए लाभकारी योगा

योग, आज के समय में महिलाओं भूमिका बदल सी गई है यूं कहे की वर्तमान में एक महिला दोहरी जिंदगी जी रही है। यानी की ये घर की ज़िम्मेदारी के साथ बाहरी में दुनिया के प्रति अपने कर्तव्य को अच्छे निभा रही हैं। ऐसे में योग का उनके जीवन में होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इन दायित्वों को निभाने के लिए महिलाओं को अधिक ऊर्जावान व संतुलित बनना होगा। जिसमें योग उनकी काफी मदद कर सकता है। योग उन्हें इन चीजों को करने के लिए आवश्यक सभी ख़ूबियाँ प्रदान करेगा। यहां हम कुछ योगासन के बारे में जानकारी देने से जा रहे हैं जिनके अभ्यास से निश्चित ही आपको लाभ होगा। यह आपको आंतरिक व बाहरी सुख प्रदान करने में सहायक होगा। तो आइये जानते आपके लिए कौन से योग है फ़ायदेमंद -

प्राणायाम

प्राणायाम कई प्रकार के हैं परंतु आपको यहां सबसे आसान वाले को करना है। यानी की यह प्राणायाम के सबसे सामान्य प्रकार है परंतु इसका काफी लाभ है। इसे करने के लिए आपको सबसे पहले सुखासन या पदमासन में बैठना है इसके बात आपने हाथों को सीधे घुटने पर रखना है। अब आपको लंबी सांस लेनी है और कुछ समय के लिए रोकने के बाद ओम शब्द का उच्चारण करते हुए सांस को छोड़ना है। ऐसा आप दस से पंद्रह बार कर सकती हैं।

आसन से लाभ – प्राणायाम उन आसनों में से एक है जो आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा। इसके साथ ही इससे आपको तनाव से राहत मिलेगा। इसके अभ्यास से आप अपने ज्ञान चक्र को जागृत करने में सफल हो सकते हैं। प्राणायाम का अभ्यास करने से आपकी सोचने व समझने की क्षमता में इज़ाफा होता है।

कपालभाति

कपालभाति को करने से भी अभ्यासकर्ता को काफी लाभ मिलता है। इस आसन को करने के लिए आपको प्राणायाम के आसन में ही बैठना है इसके बाद आपको संतुलित गति से सांस को भरना है और छोड़ना है। इस क्रिया को आप अपने क्षमता अनुसार कर सकती है। ध्यान रहे सांस लेने व छोड़ने की गति अधिक तेज न हो। दोनों में संतुलन बना रहे।

आसन से लाभ – इस आसन के लाभ की बात की जाए तो महिलाओं के लिए काफी फ़ायदेमंद है। इससे आपके बाल झड़ना बंद हो जाते हैं। महावारी के समस्या से राहत मिलती है। गर्भाशय के गांठों में असरदार साबित होता है।

उत्तानासन

इस आसन को करने के लिए आपको सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, इसके बात सांस लें और नीचे की ओर जाएं। आप आपको अपने हाथों से अपने पिंडलियों पर ले जाएं। अब आपको अपने सीने को घुटनों से सटानेकी कोशिश करें। कुछ समय के लिए स्थिति में बने रहे। इस दौरान आपको संतुलित रूप से सांस लेते रहना है। इस आसन को आप 8 से 10 बार दोहराएं।

आसन से लाभ – उत्तानासन का अभ्यास करने से पेट और कमर के आस-पास की बढ़ी हुई चर्बी कम हो जाती है। यह बॉडी को सही शेप में ले आती है। इसके साथ ही यह आसन कंधे और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है।

सर्दियों में पानी पीना भूल जाते हैं

तो खुद को हाइड्रेट करने के लिए ऐसे सेट करें गोल

पानी पीना शरीर के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। क्योंकि पानी शरीर टिश्यू और सेल्स के टेंपरेचर को मेंटेन करता है और सारे ऑर्गंस के फंक्शन में भी हेल्प करता है। खासतौर पर किडनी के फंक्शन के लिए पानी सबसे ज्यादा जरूरी है। आमतौर पर दिन भर में सात से आठ गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है। जो कई बार शरीर की अलग-अलग स्थितियों में बदल भी सकती है। लेकिन सर्दियों में लोग तय मात्रा से भी कम पानी पीते हैं। जिससे कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती है। पानी ना पीने या पानी पीना भूल जाने की समस्या से निपटने के लिए ये फार्मूला आपकी जरूर मदद करेगा।

कम पानी पीने से होने वाली समस्याएं

जब शरीर डिहाइड्रेट होता है तो कमजोरी, चक्कर, उल्टी जैसा महसूस होता है। साथ ही हार्टबीट भी बढ़ जाती है। वहीं किडनी पर भी प्रेशर पड़ता है। यूरिन में जलन जैसी समस्या भी शुरू हो सकती है। साथ ही पानी से शरीर का टेंपरेचर भी मेंटेन होता है।

सर्दियों में अक्सर हो जाती है डिहाइड्रेशन की समस्या

सर्दियों के मौसम में गर्मी और पसीना ना निकलने की वजह से अक्सर लोग पानी पीना भूल जाते हैं। जिसकी वजह से डिहाइड्रेशन की दिक्कत होने लगती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है कि दिनभर आप पानी पीना भूल जाते हैं। तो आपको टार्गेट सेट करने की जरूरत है। जिससे शरीर हाइड्रेट हो सकते।

दिनभर पानी पीने के लिए ऐसे सेट करें टार्गेट

दिनभर पानी पीने के गोल को सेट करने का तरीका किया है। जो आपके दिनभर के पानी पीने के टार्गेट को आसानी से पूरा कर सकता है। आमतौर पर एक इंसान दिन के 24 घंटों में 7-8 घंटे सोता है। तो इसका मतलब है कि वो करीब 16 घंटे जागता है। अब इन 16 घंटों में पानी पीने के हिसाब को दो घंटे के हिसाब से सेट कर लें। मतलब कि हर दो घंटे में आपको एक गिलास पानी पीना है। जैसे कि सुबह आठ से दस बजे के बीच में केवल एक गिलास पानी पी लें। इसी तरह से दस से बारह बजे के बीच भी एक गिलास पानी पी लें। इसी तरह से आप दिनभर में हर दो घंटे पर एक गिलास पानी पीने का हिसाब फिक्स कर लें। ऐसा करने से दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीने का टार्गेट आसानी से पूरा कर पाएंगे और शरीर में पानी की कमी सर्दियों के मौसम में नहीं होगी।

बच्चे की डिलीवरी के बाद महिला को होती है केयर की जरूरत

बच्चे के जन्म के बाद मां के शरीर की सही केयर होना जरूरी होता है। इसको मेडिकल की भाषा में पोस्टपार्टम रिकवरी कहते हैं। बच्चे के जन्म के बाद महिला को थकान, मूड स्विंग और कुछ मामलों में मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिला को अच्छी देखभाल और भावनात्मक केयर की जरूरत भी होती है। ऐसे में परिवार और जीवनसाथी का सहयोग जरूरी है। घर के कामों में मदद करने से लेकर खानपान का ध्यान और सही लाइफस्टाइल भी जरूरी है। एक्सपर्ट्स कहते हैं किजब एक माँ भावनात्मक संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य और अपनी नई भूमिका में आत्मविश्वास भी पाती है। परिवार और जीवनसाथी का समर्थन, परामर्श और समझ उन्हें कम अकेला महसूस कराना जरूरी है। यही महिला को सक्षम बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। सुनना, घरेलू कामों में मदद करना या आराम करने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे सरल कार्य भी महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं।

बच्चे की डिलीवरी के बाद महिला को भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ, उचित पोषण, आराम और हल्की शारीरिक गतिविधि ऊर्जा और शक्ति को बहाल करने में मदद करती है। आत्म-देखभाल और शरीर की सकारात्मकता माताओं को प्रसवोत्तर यात्रा को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में सक्षम बनाती है। केवल चिकित्सीय जाँच तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए; इसका ध्यान समग्र उपचार पर होना चाहिए, जिससे महिलाओं को अपनी शक्ति पुनः प्राप्त करने, स्वयं को पुनः खोजने और मातृत्व में सफल होने में मदद मिल सके। हर माँ ऐसी देखभाल की हक़दार है जो उसे न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि भावनात्मक और मानसिक रूप से भी स्वस्थ करे।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड डायबिटीज डे: अपने रोज़ाना आहार में एक मुट्ठी कैलिफ़ोर्निया बादाम शामिल करें

वर्ल्ड डायबिटीज डे हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य डायबिटीज के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सभी के लिए उपचार को सुलभ बनाना है। इस साल की थीम डायबिटीज इन द वर्कप्लेस है, जो कामकाजी लोगों के लिए मधुमेह को समझने और उसे सही तरीके से संभालने के महत्व पर ज़ोर देती है। संतुलित आहार ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और दिन की शुरुआत पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बादाम, जिनमें 15 आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हैं, — जैसे प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और आहार फाइबर — ब्लड शुगर के स्वस्थ नियंत्रण में सहायक होते हैं। नई दिल्ली स्थित फोर्टिस सी-डॉक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिज़ीज़ेज़ एंड एंडोक्रिनोलॉजी के प्रोफेसर और चेयरमैन डॉ. अनूप मिश्रा के नेतृत्व में किए गए हालिया अध्ययन में पाया गया कि भोजन से पहले बादाम का सेवन प्री-डायबिटीज और मोटापे से ग्रस्त एशियाई भारतीयों में ब्लड शुगर नियंत्रण को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाता है। अपनी पोषक समृद्धता और बहुपयोगी गुणों के कारण बादाम दैनिक भोजन और स्नैक्स में आसानी से शामिल किए जा सकते हैं, जो समग्र मेटाबॉलिक हेल्थ को समर्थन देते हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जो ज्यादा प्रसंस्कृत होते हैं और जिनमें चीनी व रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। यही आदतें मधुमेह जैसी बीमारियों को बढ़ावा दे रही हैं। भारत, जिसे डायबिटीज की राजधानी कहा जाता है, अब इस समस्या से गंभीर रूप से जूझ रहा है। इंडियन कौंसिल ऑफ़मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक देश में 101 मिलियन लोग डायबिटीज से ग्रस्त हैं और 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं।

रिसर्च से पता चला है कि बादाम न केवल स्वस्थ ब्लड शुगर स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज़ नियंत्रण को भी बेहतर बनाते हैं तथा कार्बोहाइड्रेट-युक्त भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं, जो विशेष रूप से टाइप 2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों के लिए लाभकारी हैं। न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णस्वामी ने कहा, डायबिटीज भारत में सबसे व्यापक नॉन-कम्युनिकेबल डिज़ीज़ में से एक है, जो मुख्य रूप से असंतुलित खान-पान और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण बढ़ रही है। इस वर्ल्ड डायबिटीज डे पर, मैं सभी से आग्रह करती हूँ कि अपने भोजन के प्रति सजग रहें। रोज़मर्रा के आहार में बादाम, सब्ज़ियाँ, स्प्राउट्स और ताज़े फलों जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करने से ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

आईडीबीआई बैंक ने स्पेशल ओटीएस स्कीम – ''सुगम ऋण भुगतान योजना (SUGAM) – II'' शुरू की

आईडीबीआई बैंक ने अपनी रिकवरी बढ़ाने के लिए स्पेशल वन टाईम सैटेलमेंट (ओटीएस) स्कीम, ''सुगम ऋण भुगतान योजना (SUGAM) – II शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च, 2022 तक रिटेल एनपीए की श्रेणी में रखे गए कर्जों को शामिल किया गया है, जिनका कर्जदार के आधार पर सकल मूल बकाया (जीपीओ) 5 लाख रुपये या उससे अधिक तथा 5 करोड़ रु. तक है, तथा जो योजना में दिए गए पात्रता के अन्य मानदंडों को पूरा करते हैं। यह अभियान बैंक के उन कर्जदारों को वन टाईम सैटेलमेंट करने का अवसर प्रदान कर रहा है, जिनके खाते एनपीए की श्रेणी में रखे गए हैं, तथा जो कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए योजना की शर्तों पर अपनी बकाया राशि जमा करना चाहते हैं। इस योजना का विवरण https://www.idbi.bank.in/idbi-bank-sugam-rinn-bhugtan-yojana.asp& पर उपलब्ध है।

निधन : भागवत कश्यप

बिर्रा। ग्राम के सक्रिय एवं सामाजिक व रामलीला मण्डली के प्रतिष्ठित भागवत कश्यप 52वर्ष की आयु में रायपुर के निजी अस्पताल में ईलाज के दौरान निधन हो गया हिन्दू रीति रिवाज के साथ मुक्तिधाम टोनहिया तालाब में अंतिम संस्कार किया गया इनके सुपुत्र हर्ष कुमार कश्यप ने मुखाग्नि दी।वे अपने पीछे एक लड़का एक लड़की से भरा पूरा परिवार को छोड़कर चले गए। इनके अंतिम संस्कार में सजातीय बंधु व ग्रामीण जन भारी संख्या में शामिल थे

पारदर्शिता' की तीसरी आँख पर चूहे का 'डाका'!

मुकेश कुमार

रायपुर, छत्तीसगढ़: उचित मूल्य की दुकानों (राशन दुकान) में कालाबाजारी रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए पूर्ववर्ती सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, जिसमें लाखों रुपये के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। कैमरे लगने के 6 महीने के भीतर ही लाखों का सामान या तो चूहों ने कुतर दिया, या फिर वे चालू ही नहीं हो सके!

योजना बनी, पर मॉनिटरिंग कौन करेगा?- शासन की मंशा भले ही गरीबों के राशन की कालाबाजारी को रोकना थी, लेकिन योजना का क्रियान्वयन करने वालों ने इसे ही कालाबाजारी का नया जरिया बना दिया। पूरे राज्य का काम कथित तौर पर एक व्यक्ति के हाथ में सौंप दिया गया।

निगरानी शून्य: कैमरा लगाने के लिए न तो सरकार ने कोई अलग फंड की व्यवस्था की और न ही कोई मॉनिटरिंग (निगरानी) तंत्र बनाया।

मंत्री जी की मेहरबानी: पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के आदेश तो हुए, लेकिन साथ ही भ्रष्टाचार की खुली छूट भी दे दी गई।

दबाव में संचालक: उचित मूल्य की दुकान के संचालक राजनैतिक दबाव में आकर इस घटिया योजना को चुपचाप झेलते रहे।

मुख्य सचिव के पास पहुँची गूंज, फिर फ़ाइल हुई दफ्न!- यह किसी से छिपा नहीं है कि खाद्य विभाग का भ्रष्टाचार से पुराना नाता रहा है। घटिया और गुणवत्ताहीन सीसीटीवी कैमरों की शिकायतें पूर्व सरकार के मुख्य सचिव तक पहुँचीं, लेकिन किसी कारणवश उस समय जाँच नहीं कराई गई।

सुशासन की सरकार में उम्मीद की किरण!- अब, जबकि राज्य में सुशासन की सरकार है और नए मुख्य सचिव ने पदभार ग्रहण किया है, यह कयास लगाया जा रहा है कि पूर्ववर्ती सरकार के इस 'कैमरा घोटाले' का पर्दाफाश होगा। क्या वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार की इस पुरानी परंपरा को खत्म करेगी या इसे ही आगे बढ़ाएगी? यह एक बहुत बड़ा सवाल है, जिसका जवाब भविष्य के गर्त में छिपा है।

गरीबों के हक पर डाका डालने वाले इस भ्रष्टाचार का खुलासा होने से पहले ही, सीसीटीवी कैमरा योजना भ्रष्टाचार की दीमक का शिकार होकर 'आत्मा' को त्याग चुकी है!

यह वीडियो छत्तीसगढ़ की एक उचित मूल्य की राशन दुकान में लाखों की चोरी को दिखा रहा है, जो राज्य की राशन वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार और सुरक्षा की कमी को उजागर करता है:

गतवा. के गली-स्कूल के पास और ढाबो में बिक रही अवैध शराब,देशी और इंग्लिश की पाव आबकारी विभाग,पुलिस के कार्यप्रणाली पर उठने लगे सवाल, कलेक्टर एसपी से शिकायत

जांजगीर //समय दर्शन // बिर्रा के गतवा ग्राम मे स्कूल के बगल मे थाना क्षेत्र के गतवा में अवैध शराब के कारोबार का जाल तेजी से फैल रहा है। गली-मोहल्लों में कच्ची महुआ और देशी शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है। इस पर समय-समय पर पुलिस और विभागीय कार्यवाही जरूर होती है, लेकिन इन कार्यवाही का प्रभाव सीमित नजर आता है।

बिर्रा थाना क्षेत्र के गतवा में अवैध शराब कि खुलेआम बिक्री हो रही है,य जगह-जगह कच्ची शराब कि खुलेआम बिक्री हो रही है।

अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने व बेचने वालों को बिर्रा पुलिस ने खुला छुट दे रखा है,अब आम लोगों को अवैध शराब-बिक्री करने वालों पर बिर्रा पुलिस कि कार्यवाही पर भरोसा ही कम होता जा रहा है,क्यूंकि अवैध शराब बिक्री करने वालें खुलेआम पुलिस का सरंक्षण होने का दावा भी करते हैं।

एक हफ्ते मे शराब नहीं बंद हुवा तो शिकायत को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर,एसपी को ज्ञापन देंगे ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में बताया है कि लगातार अवैध कच्ची महुआ शराब कि बिक्री खुलेआम कि जा रही है,इसकी जानकारी बिर्रा पुलिस, आबकारी विभाग को देने के बाद भी कार्यवाही नहीं कि जा रही है। गाओं और ढाबाओ मे काफी लंबे समय से अवैध देसी और इंग्लिश शराब बिक्री हो रही है, है,नशे के हालत में हुडदंग करते हैं जिससे शाम होते हुए गाँव के महिला बच्चों को घर से निकलने में परेशानी हो रही है। वही अभी सिलादेही मे मेला हुवा है और सबसे ज्यादा झगड़ा का कारण दारू है और गोमदा से ही दारू की सप्लाई होती है

बिर्रा पुलिस पर लगा संरक्षण का आरोप- वहीं महिलाओं ने गांव में अवैध शराब-बिक्री करने वालों पर बिर्रा पुलिस का संरक्षण प्राप्त होने कि बात कहीं है वही अवैध शराब-बिक्री करने वालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि खुलेआम धमकी देते हुए पुलिस और आबकारी विभाग को अपने जेब में रखने और बोलते है की हर महीना 1 से 3 तारिक तक उनको पेमेंट दे देते है बोलते है कि बात करते हैं।अब देखना होगा कि पुलिस अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कब तक कार्यवाही करती है

गतवा सरपंच. भुवन लाल साहू का कहना है की हम कई बार बंद करने के लिए बोल चुके है लेकिन सामने वाला नहीं मान रहा है

जय साहू TI बिर्रा : हमको इसकी जानकारी नहीं है जानकारी मिलते ही हम कार्यवाही करेंगे

ग्राम करनौद के डडसेना परिवार में कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ संगीतमय श्री रामकथा

जांजगीर (करनौद) (समय दर्शन)। जांजगीर चांपा जिला के अंतर्गत ग्राम पंचायत करनौद के सरपंच श्रीमति रेवती शैलेन्द्र डडसेना के यहां कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ परमपिता परमेश्वर अखिल ब्रह्मांड के नायक श्री प्रभु श्रीराम चंद्र जी की महान कृपा से संगीतमय श्री राम कथा जिसमे कथा व्यास महराज अजय उपाध्याय जी(चित्रकूट धाम) वाले है वह अपने श्रीमुख से कथा का रसपान कराया जा रहा है,एवं इस संगीतमय श्री राम सप्ताह कथा में मुख्य यजमान सरपंच श्रीमति रेवती शैलेन्द्र डडसेना, श्रीमती चित्ररेखा राजेंद्र कुमार डडसेना है यह कथा 06 नवंबर से अक्टूबर दिन गुरुवार से कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई,यह कलश को यात्रा कीर्तन डीजे करमा के साथ श्रीं राम नाम के गुंजन करते करते यज्ञ स्थल से निकल कर ग्राम भ्रमण करते हुए हनुमान मंदिर , संतोषी मंदिर, समलाई मंदिर पंचमुखी से होते हुए जलतारे मोहल्ला से ठाकुरदेव मंदिर से बंधवा तालाब पहुंची जहां से जल भरकर पुन: यज्ञ स्थल में पहुंच कर विश्राम किया गया 13 नवम्बर को होगा ,वही 14 नवंबर को हवन,सहस्त्र धारा ,आरती, शांति, ब्राम्हण भोजन, देव विसर्जन कार्यक्रम होगा,जिसमे समस्त क्षेत्रवासी को कथा श्रमण करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा आप सभी अपना समय निकाल कर कथा श्रवण करने पहुंचे,इस आयोजन को लेकर श्रीमती लक्ष्मी देवी मनोहर लाल डडसेना, श्रीमती फिर बाई चंद्रभूषण डडसेना भूत पूर्व जनपद सदस्य , श्रीमती निरूपा कोमल डडसेना, खगेन्द्र डडसेना, घनश्याम डडसेना, दुर्गा प्रसाद डडसेना, अमित डडसेना4, राघवेंद्र डडसेना, आयुष डडसेना, निखिल, सहित पूरे ग्राम वासी कार्य कर रहे है,

हॉकी के 100 साल : राजनांदगांव में जश्न, बालक-बालिका प्रदर्शनी मैच से गूंजा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भारतीय हॉकी के स्वर्णिम इतिहास की सौंवी वर्षगांठ शुक्रवार को पूरे देश में धूमधाम से मनाई गई। अखंड भारत में 7 नवंबर 1925 को हॉकी संघ के गठन की याद में राजनांदगांव के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में भी विशेष आयोजन हुआ। हॉकी की नर्सरी कहे जाने वाले इस शहर में बालक और बालिका वर्ग के प्रदर्शनी मैच खेले गए। पूरे देश के 600 जिलों में एक साथ एक हजार से ज्यादा हॉकी मैच आयोजित हुए।

बालक वर्ग में खेलो इंडिया और भारतीय खेल प्राधिकरण के बीच हुए मैच में मुख्य अतिथि के रूप में सचिन बघेल (अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक) मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोमल सिंह राजपूत (जिला अध्यक्ष भाजपा) ने कीए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व महापौर और वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी नरेश डाकलिया उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि बघेल ने कहा भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होना हर खिलाड़ी और खेलप्रेमी के लिए गर्व का विषय है। राजनांदगांव की मिट्टी ने देश को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दिए हैं। शहर में पिछले 80 सालों से आयोजित हो रही सर्वेश्वरदास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता ने हॉकी को नई ऊंचाई दी है।

अध्यक्षता कर रहे कोमल सिंह राजपूत ने कहा हॉकी के 100 वर्ष पूरे होना हमारे लिए ऐतिहासिक क्षण है। जिन वरिष्ठ खिलाड़ियों से हमने खेल सीखा, उन्हीं के बीच आज इस आयोजन में शामिल होना गौरव की बात है।

वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी नरेश डाकलिया ने कहा कि भारतीय हॉकी ने अब तक ओलंपिक में 8 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं, साथ ही 1975 में विश्व कप भी भारत ने अपने नाम किया। राजनांदगांव के लिए यह गर्व की बात है कि यहां हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद भी आ चुके हैं।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने स्वागत भाषण में बताया कि 7 नवंबर 1925 को देश में पहली बार हॉकी की प्रशासनिक संस्था बनी थी। 1928 में एम्स्टर्डम ओलंपिक में भारत ने नीदरलैंड को हराकर पहला स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा भारत के हॉकी इतिहास में राजनांदगांव का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले कई दशकों में यहां से स्व. एयरमैन आर. बेस्टीयन (प्रथम ओलंपियन), रेणुका यादव (छत्तीसगढ़ की पहली महिला ओलंपियन) और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मृणाल चौबे जैसे सितारे निकले हैं।

बालक वर्ग में जिला हॉकी संघ राजनांदगांव ने जीत दर्ज की, जबकि खेलो इंडिया उपविजेता रहा। बालिका वर्ग के उद्घाटन सत्र में सीईओ जिला पंचायत आईएएस सुरुचि सिंह और एएसपी राहुल देव शर्मा बतौर अतिथि शामिल हुए। इस वर्ग में भारतीय खेल प्राधिकरण विजेता और खेलो इंडिया राजनांदगांव उपविजेता रही।

सुरुचि सिंह ने कहा राजनांदगांव की धरती पर हॉकी का समृद्ध इतिहास है, यहां के खिलाड़ियों ने हमेशा प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है।

एएसपी राहुल देव शर्मा ने कहा राजनांदगांव के लोगों के दिल में हॉकी के प्रति गहरा प्यार है, यही इस शहर की पहचान है।

इस अवसर पर वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। साथ ही 7 दिवसीय म्जि, ड्रॉइंग और निबंध प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक प्रदान की गई।

ग्रासरूट हॉकी को बढ़ावा देने वाली संस्था रुद्राक्षम वेलफेयर सोसायटी को भी सम्मानित किया गया। जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने संस्था को 10 हॉकी स्टिक प्रदान कीं।

कार्यक्रम में शिवनारायण धकेता (सचिव, जिला हॉकी संघ), ए. एक्का (सहायक संचालक, खेल विभाग), वरिष्ठ खिलाड़ी मुक्तनद हिरवानी, प्रीतपाल की उपस्थिति ने मंच की शोभा बढ़ाई।

उक्त कार्यक्रम में रमेश डाकलिया, कुतबुद्दीन सोलंकी, छोटे लाल रामटेके (पार्षद), महेंद्र सिंह, भूषण साव, राम अवतार जोशी, गुणवंत पटेल, गणेश प्रसाद शर्मा (गन्नू), शेषनारायण श्रीवास्तव, सुश्री आशा थॉमस, अनिल यादव, महबूब सरीफ अब्दुल कादिर, राजू रंगारी, चंदन सिंह, ज्ञानचंद जैन, प्रिंस भाटिया, तुलसी सिन्हा, परमजीत सिंह साई कोच, गुणवंत पटेल, योगेश द्विवेदी, दिग्विजय श्रीवास्तव, अनिल गोतम क्रीड़ा अधिकारी, श्याम लाल यादव, भागवत यादव, छबिलाल, सचिन खोब्रागढ़े, नरेंद्र, अभिनव मिश्रा, शकील अहमद, खुशाल यादव, राजेश निर्मलकर, खेमराज सिन्हा, श्रीमती बबिता लिल्हारे, एम रवि राव, रूपेश जायसवाल, अविनाश आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मंच संचालन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मृणाल चौबे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रणविजय प्रताप सिंह ने किया।

खबर-खास

गांजा तस्करी के दो आरोपियों को अदालत ने सुनाई पंद्रह -पंद्रह वर्ष का सश्रम कारावास की सजा

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - विशेष न्यायाधीश (नारकोटिक एंड ड्रग्स) श्रीमती वंदना दीपक देवांगन के न्यायालय ने 102 किलो गांजा के अवैध परिवहन के आरोप में आरोपी यशवंत कुमार वापचे निवासी गोहारा थाना बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं भरत कुमार धीवर निवासी सिविल लाइन बिलासपुर (छ.ग.) दोषी पाते हुवे 15 -15 वर्ष का सश्रम कारवास और 1-1 लाख के अर्थ दंड से दंडित किया अर्थ दंड न अदा किए जाने पर अतिरिक्त कारवास से दंडित किया गया। घटना दिनांक 2- 10-19 की है थाना सिंघोडा के तत्कालीन सहायक उप निरीक्षक अशोक यादव अपने पुलिस स्टाफके साथ संदिग्ध वाहनों की चेकिंग मुख्यमार्ग एन एच 53 रियाज ढाबा के सामने कर रहे थे उसी दौरान सिल्वर रंग कज होण्डाई एसेंट कर क्रमांक सी जी 04 एच ए 7921 आई थी जिसका जांच करने पर गाड़ी की डिक्की 102 पैकेट गांजा बरामद हुवा था।जिसकी विधिवत कार्यवाही करने के पश्चात आरोपियों को न्यायायिक अभिरक्षा में भेजा गया, निर्णय के तिथि तक आरोपियों की जमानत नहीं हो पाई थी आरोपियों ने जेल में लगभग 6 वर्ष से भी ज्यादा समय व्यतित किया है। ड्रग के मामले सभी न्यायालयों के रुख अत्यंत कठोर है क्योंकि नशे की लत युवापीढ़ी और परिवार को बर्बाद कर रही है। विवेचना श्री अशोक यादव द्वारा किया गया राज्य की और से पैरवी देवेन्द्र कुमार शर्मा विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई।

बिना अनुमति मजदूरों को बाहर भेजने के प्रयास पर श्रम विभाग की कार्रवाई

महासमुंद नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - जिले में मजदूरों को बिना अनुज्ञप्ति एवं पलायन पंजी में दर्ज किए बगैर बाहर भेजने वाले दलालों पर जिला प्रशासन ने कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में श्रम विभाग की कार्रवाई के बाद थाना पिथौरा में आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। 05 नवंबर को श्रम विभाग टीम को सूचना मिली कि गंगाराम प्रजापति एवं रामदास दीवान ग्राम मुढ़ीपार के कुछ ग्रामीण मजदूरों को अधिक मजदूरी का लालच देकर उत्तर प्रदेश स्थित ईंट भट्ठे में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। श्रम विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर मजदूरों से पूछताछ की। मजदूरों ने अपना नाम राजेन्द्र झरेका, डॉक्टर झरेका, नवीन झरेका, गोविंद झरेका निवासी ग्राम मुढ़ीपार बताया और अग्रिम धन एवं अधिक मजदूरी दिलाने के नाम पर उन्हें बाहर ले जाए जाने की बात स्वीकार की। मामले में श्रम उप निरीक्षक बेलारसन बघेल की शिकायत पर थाना पिथौरा में आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता – 37 लाख इनामी के चार महिला समेत 3 पुरुष नक्सलियों का आत्मसमर्पण

गरियाबंद पुलिस और सीआरपीएफके सतत अभियान का बड़ा असर,नक्सलियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले से शुक्रवार को नक्सल मोर्चे पर अब तक की सबसे बड़ी सफलता दर्ज की गई है। शासन की पुनर्वास नीति और पुलिस के लगातार प्रयासों से प्रतिबंधित उदंती एरिया कमेटी के सभी सात सक्रिय नक्सलियों ने गरियाबंद पुलिस लाइन में आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें चार महिला नक्सली शामिल हैं।आत्मसमर्पण करने वालों में डिविजनल कमेटी सदस्य सुनील उर्फ जगतार सिंह और उदंती एरिया कमेटी सचिव अरीना टेकोम उर्फमुरगु प्रमुख हैं।दोनों पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनके साथ डिप्टी कमांडर विद्या उर्फ जम्बो,कमेटी सदस्य लुद्रो उर्फ अनिल,नंदनी,कांति उर्फ मंगलबती और मललेश ने भी सरेंडर किया। विद्या, लुद्रो,नंदनी और कांति पर 5-5 लाख रुपये और मललेश पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। समर्पित नक्सलियों ने 1 एसएलआर, 3 इंसास और एक सिंगल शॉट हथियार सहित कुल 6 हथियार पुलिस के हवाले किए।इस तरह कुल 37 लाख रुपये इनामी नक्सलियों ने गरियाबंद में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। गरियाबंद पुलिस और सीआरपीएफके साझा अभियान का असर,,,,,लगातार आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के मार्गदर्शन, एसपी निखिल राखेचा के नेतृत्व और ई-30, कोबरा व 211वीं बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त रणनीति के चलते यह बड़ी सफलता मिली। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष कम्युनिटी पुलिसिंग और पुनर्वास अभियान के तहत नक्सलियों को हिंसा छोड़ समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया गया।

आत्मसमर्पण की प्रक्रिया पुलिस लाइन गरियाबंद में आयोजित हुई,जिसमें आईजी अमरेश मिश्रा,एसपी निखिल राखेचा,सीआरपीएफ 211वीं बटालियन के कमांडेंट विजय प्रताप और द्वितीय अधिकारी रंजन बाहली मौजूद रहे। नक्सलियों का अतीत ङ्क कई बड़े हमलों में रही संलिप्तता,,आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली पिछले दो दशकों से नक्सली संगठनों से जुड़े हुए थे।कमांडर सुनील उर्फ जगतार सिंह हरियाणा से ताल्लुक रखते हैं और 2004 से माओवादी संगठन से जुड़े। उन्होंने झारखंड,हिमाचल,ओडिशा और छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहकर कई हमलों का नेतृत्व किया।अरीना टेकोम उर्फ मुरगु 2005 से संगठन में सक्रिय थी और इंसानगंज व सीतलमाझी एरिया कमेटी में सचिव रह चुकी हैं।विद्या उर्फजम्बो, लुद्रो, नंदनी,कांति और मललेश भी 2009 से 2024 तक विभिन्न कमेटियों में हथियारबंद गतिविधियों में शामिल रहे। वही उक्त नक्सलियों द्वारा मई 2018 में ग्राम आमामोरा में पुलिस पर हमला में दो जवान शहीद हुए।जनवरी 2022 में देवझर की पहाड़ी पर मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी की शहादत।मई 2023 में ग्राम करसलार व जनवरी 2025 में कांगरसर मुठभेड़ की घटनाओं में इनकी मौजूदगी रही। एसपी निखिल राखेचा बोले — गरियाबंद में नक्सलवाद की जड़ें हिल गई हैं यह गरियाबंद पुलिस की लगातार कोशिशों और जनता के भरोसे का परिणाम है। जो लोग कभी जंगल में बंदूक लेकर हिंसा फैलाते थे, आज वही लोग समाज की मुख्यधारा में लौटने को तैयार हैं। यह जिला अब शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है।

लौह पुरुष की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च पदयात्रा का हुआ आयोजन

सांसद ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी सहित आम नागरिक बड़ी संख्या में हुए शामिल

गरियाबंद (समय दर्शन)। लौह पुरुष और राष्ट्र एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला प्रशासन,माय भारत तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में 'यूनिटी मार्च पदयात्रा' का भव्य आयोजन किया गया।पदयात्रा का शुभारंभ महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर तथा पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया। यह पदयात्रा ग्राम पंचायत नागाबुड़ा स्कूल चौक से नहरगांव, कोकड़ी होते हुए गांधी मैदान गरियाबंद में संपन्न हुई।इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू, खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा,पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप,जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर,वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर,पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय,जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव,नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन,जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी,सरपंच केवरा बाई, कलेक्टर बी.एस.उइके,पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, डीएफओ शशिगानंदन के,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चन्द्राकर सहित जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इस दौरान अतिथियों ने शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में एक पेड़ मां के नाम के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधरोपण किए।यह सद्भावना पदयात्रा लगभग 8 किलोमीटर लंबी थी,इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,अधिकारी, सामाजिक संगठन, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट,रेड क्रॉस, एनएसएस, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए। सद्भावना यात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने फूल वर्षा और तिलक लगाकर स्वागत किया। यात्रा के समापन अवसर पर देशभक्ति गीत,सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वच्छता, नशामुक्ति, आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी संकल्प का संदेश भी दिया गया।वही नगर प्रवेश होते ही छुरा मार्ग में पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फार मेमन के द्वारा पदयात्रा का भव्य स्वागत करते हे रैली में शामिल अतिथियों,स्कूली बच्चों आम नागरिकों अधिकारियों कर्मचारी का पुष्प बरसात करते हुए उन्हें पानी, ठंडा और आइसक्रीम बटवाया गया। इसके पश्चात् पदयात्रा जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि लौह पुरुष सरदार पटेल जी के प्रयासों से अखंड भारत की नींव पड़ी। 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' उनकी अटूट एकता का प्रतीक है।राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि सरदार पटेल देश के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 562 रियासतों को एक सूत्र में जोड़कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि यूनिटी मार्च का उद्देश्य विद्यार्थियों और नागरिकों में देशभक्ति और जिम्मेदारी की भावना जागृत करना है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति की शुरुआत अपने घर और अपने कार्य से होती है। इस अवसर पर अतिथियों ने सेल्फी पाइंट पर फोटो लिए और हस्ताक्षर कैम्पेन पर हस्ताक्षर किया।

रामा ग्रुप अनवेल्स रामा वर्ल्ड, 100-एकड़ इंटीग्रेटेड कॉमर्शियल लैंडमार्क सेट टू रिडिफाइन रायपुर रिटेल एंड लाइफस्टाइल लैंडस्केप

रामा ग्रुप के द्वारा रायपुर में रामा वर्ल्ड विकसित किया जा रहा है. यह एक ऐसा बड़ा कॉमर्शियल प्रोजेक्ट है जो शहर के रिटेल और लाइफस्टाइल सेक्टर को नया रूप देगा. 'सिटी के भीतर एक वर्ल्ड' की सोच पर आधारित रामा वर्ल्ड में शॉपिंग, एंटरटेनमेंट, बिजनेस और मनोरंजन की सभी सुविधाएं एक साथ मिलेंगी. यह प्रोजेक्ट विधान सभा रोड पर स्थित है, जो रायपुर रिंग रोड और इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधा जुड़ा है. आसपास स्वर्णभूमि, एमजीएम आई हॉस्पिटल, अंबुजा सिटी सेंटर मॉल जैसे प्रमुख स्थान और कई प्रीमियम रेसिडेंशियल व कॉमर्शियल डेवलपमेंट हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट भविष्य के विकास के लिए पूरी तरह तैयार डेस्टिनेशन बनता है. रामा वर्ल्ड 100 एकड़ में फैला है और इसमें 3.1 मिलियन स्क्वेयर फीट से ज्यादा का कॉमर्शियल स्पेस होगा, जिससे यह सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट्स में से एक बनेगा. यहां वीकडेज में रोजाना 8 हजार से ज्यादा और वीकेंड पर 25 हजार से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है. यह जगह बिजनेस और ग्राहकों दोनों के लिए एक थ्राइविंग हब बनेगी. प्रोजेक्ट में 1400 से ज्यादा प्रीमियम स्टोर्स और 750 ब्रांड शामिल होंगे, जो रायपुर की ग्लोबल लेवल की रिटेल आकांक्षाओं को दर्शाएंगे. रामा वर्ल्ड के केंद्र में कई अलग-अलग लेकिन आपस में जुड़े हुए स्पेस हैं. रामा मॉल लग्जरी ब्रांड्स के साथ एक अल्ट्रा लग्जरी शॉपिंग डेस्टिनेशन होगा. रामा गैलरिया को प्रीमियम ब्रांड्स, फाइन डाइनिंग रेस्टोरेंट्स, सुपरमार्केट्स, प्रीमियम शो-रूम्स, डेकोर, इंटीरियर और खास फर्निशिंग्स के साथ एक शानदार शॉपिंग जगह के रूप में विकसित किया जाएगा. रामा हाईस्ट्रीट को आधुनिक और स्टाइलिश माहौल देने के लिए तैयार किया गया है, जहां फैशन और लाइफस्टाइल स्टोर्स होंगे. वहीं, रामा आर्केड विभिन्न बिजनेस को सपोर्ट करेगा और उन्हें बढ़ने और सफलता पाने के अवसर देगा,

फिजिक्सवाला लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम मंगलवार, 11 नवंबर, 2025 को खुलेगा

फ़िज़िक्सवाला लिमिटेड (कंपनी), मंगलवार, 11 नवंबर 2025 को इक्विटी शेयरों (इश्यू) के अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी। एंकर निवेशक बोली की तिथि बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्यदिवस पहले, सोमवार, 10 नवंबर 2025 है। बोली/प्रस्ताव की समाप्ति तिथि गुरुवार, 13 नवंबर 2025 है। कुल प्रस्ताव आकार में 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य ?3480 करोड़ है। आईपीओ में 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य 3100 करोड़ रुपये है और 1 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक बिक्री प्रस्ताव शामिल है, जिसका कुल मूल्य 380 करोड़ रुपये है। इस निर्गम का मूल्य बैंड 103 रुपये से 109 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है। (मूल्य बैंड)। इस प्रस्ताव में कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 10 रुपये की छूट दी जा रही है। न्यूनतम 137 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 137 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। (बोली लॉट)। कंपनी इस इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कई रणनीतिक उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव रखती है। लगभग 460.551 करोड़ रुपये नए ऑफ्लाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना पर पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि 548.308 करोड़ रुपये कंपनी द्वारा संचालित मौजूदा चिन्हित केंद्रों के पट्टे भुगतान के लिए जाएंगे। इसकी सहायक कंपनी, जाइलम लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड में 47.168 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है, जिसमें नए ऑफ्लाइन केंद्र (नए जाइलम केंद्र) स्थापित करने के लिए 31.648 करोड़ रुपये और मौजूदा जाइलम केंद्रों और छात्रावासों के पट्टे भुगतान के लिए 15.520 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके मौजूदा ऑफ्लाइन केंद्रों के लिए पट्टा भुगतान दायित्वों को पूरा करने हेतु उत्कर्ष क्लासेस एंड एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड में 28.002 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, (वि./ यां.) मंडल, बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

नि.आ.सू. दिनांक 31/10/2025 तथा Online Bid Submission की अंतिम तिथि 25/11/2025 Physical Submission Last Date 01/12/2025

ऑनलाईन निविदा प्रथम आमंत्रण

क्र.	नि.आ.सू. क्रमांक	ऑनलाईन टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	19	178633	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Govt. Building at H.Q. Section Bilaspur Distt. Bilaspur (C.G.)	14.50
2	20	178634	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Residential and Non Residential Building at Koni, Ratanpur and Seepat Section Bilaspur Distt. Bilaspur (C.G.)	13.00
3	21	178635	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Residential and Non Residential Building at Masturi, Takhatpur and Kota Section Distt. Bilaspur (C.G.)	14.00
4	22	178640	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Bahatarai Section Distt. Bilaspur (C.G.)	14.00
5	23	178643	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Residential and Non Residential Building at H.Q Section Mungeli Distt. Mungeli (C.G.)	12.70
6	24	178695	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Pathariya Section Distt. Mungeli (C.G.)	11.00
7	25	178697	Providing Electrical and Air conditioner Maintenance work in Lormi Section Distt. Mungeli	11.00
8	26	178717	Providing Electrification work in First floor Bar Room, Library, Meeting Hall, Court Room of District Court Building at Janjgir Distt. Janjgir Champa (C.G.)	11.93
9	27	178721	Providing Electrification, Garden light, UPS, Lighting conductor, Aera lighting, Pump, Air Conditioner, Water Cooler, CCTV, Fire Alarm, LAN Wiring, VC System, Sound System to 1 No. Court Room at Navagarh, Distt. Janjgir Champa (C.G.)	50.70
10	28	178734	Providing Electrification work for 2 No. Court room (Part-II i.e. Garden light, Area light UPS, lighting conductor, Pump, Air Conditioner, Water Cooler, CCTV Camera system, Fire Alarm System, LAN wiring, sound system) at Champa Block- Bamhnidih Distt- Janjgir Champa (C.G.)	59.54
11	29	178736	Providing Electrification work in Residential building in block Gaurela and Marwahi Distt. G.P.M. (C.G.)	13.10
12	30	178738	Supplying, Installation, Testing and Commissioning of Acrylic LED Sign Board in Medical College Raigarh at Distt-Raigarh (C.G.)	12.75

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता

जी. 252604556/4 लो.नि.वि. (वि./यां.) मण्डल बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर, जिला बालोद (छ.ग.) एवं पदेन उपसचिव छ.ग. शासन राजस्व एवम् आपदा प्रबंधन विभाग

-:: प्रारंभिक अधिसूचना::-

क्रमांक /8462/ भू-अर्जन / 2025 बालोद दिनांक 03/11/2025

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 11 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है-

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/ प. ह.न.	ख.न.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर/हे.मे)		
1	2	3	4	5	6	7
बालोद	डौण्डीलोहारा	दल्ली प.ह.न. 45	525 का टु	169.28/0.016	कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग बालोद जिला बालोद	मोहड़ जलाशय परियोजना के निर्माण कार्य हेतु
			525 का टु	174.99/0.017		
			525 का टु	216.83/0.021		
			423 का टु	168.55/0.016		
			525 का टु	296.05/0.029		
			529 का टु	203.97/0.020		
			529 का टु	205.56/0.020		
			525 का टु	183.04/0.018		
			529 का टु	241.75/0.024		
			525 का टु	161.54/0.016		
			424/1 का टु	46.61/0.004		
			529 का टु	166.98/0.016		
योग			12	2235.15/0.22		

2 यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि मे से कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्षो के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।

3 भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डौण्डीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है।

4 प्रस्तावित भूमि अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित है।

5 प्रस्तावित परियोजना के भू-अर्जन के लिये कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन के अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है, तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभ अधिक होना पाया गया है।

6 प्रस्तावित भू-अर्जन के लिये अधिनियम की धारा-43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डौण्डीलोहारा जिला बालोद (छ.ग.) को पुनर्वव्यस्थापन के प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
डौण्डीलोहारा

(दिव्या उमेश मिश्रा
कलेक्टर
जिला - बालोद (छ.ग.) एवं
पदेन उप सचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवम् आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 252604568/1

संक्षिप्त-खबर

200 यूनिट गणेश उत्सव समिति की ओर से हमारे भाई आकाश को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई। पटाखे फोड़कर केक काटा गया। होमन सिंह ठाकुर ने बधाइयाँ दीं।

1265 बोरी अवैध धान पर कार्यवाही

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार, अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर कड़ी निगरानी के तहत तहसील पिथौरा अंतर्गत ग्राम भुरकोनी में कार्रवाई की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा बजरंग अग्रवाल, नायब तहसीलदार एवं हल्का पटवारी की संयुक्त टीम द्वारा दिनेश अग्रवाल के घर पर औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान लगभग 3000 बोरी धान भंडारित पाया गया। पूछताछ में दिनेश अग्रवाल द्वारा 1735 बोरी धान के संबंध में कृषि उपज मंडी का सौदा पत्रक प्रस्तुत किया गया, किन्तु शेष 1265 बोरी धान के संबंध में कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित 21 नवंबर तक

दुर्ग/ परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग (शहरी) के अंतर्गत पंचशील नगर, नयापारा आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 01 दुर्ग में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। उक्त पद पर आवेदन 21 नवंबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग (शहरी) पांच बिल्डिंग, बाल संरक्षण गृह परिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में ग्राम की अद्यतन मतदाता सूची में दर्ज नाम एवं नगरीय क्षेत्र में होने पर संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई जाए अथवा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा सचिव द्वारा संयुक्त हस्ताक्षरित अथवा पटवारी तथा नगरीय निकायों में वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा। आवेदिका की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8वीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। अनुभवी कार्यकर्ता/सहायिका/सह सहायिका होने पर, गरीबी रेखा परिवार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति परिवार की महिला होने पर तथा विधवा, परित्यक्ता अथवा तलाकशुदा महिला होने पर अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

जिले में 28 अक्टूबर से 07 नवम्बर 2025 तक 15086 विद्यार्थियों का हुआ मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन

दुर्ग/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के चिन्हित सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार अपडेशन का कार्य निरंतर जारी है। 50 विभिन्न स्कूलों में शिविर लगाकर आज 2062 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 299 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया और एक विद्यार्थी का नया आधार बनाया गया। जिले में 28 अक्टूबर से 07 नवम्बर 2025 तक चलाए गए इस विशेष अभियान के अंतर्गत अब तक 349 शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से कुल 15086 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन, 2382 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन एवं 13 विद्यार्थियों का नया आधार निर्माण किया गया है।

रासपूर्णिमा के अवसर पर कंचनपुर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम

- पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा ग्राम परिसर

साँकरा (समय दर्शन)। साँकरा क्षेत्र का प्रमुख ग्राम कंचनपुर में रासपूर्णिमा महायज्ञ का आयोजन बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किए और भगवान राधाकृष्ण से सुखद जीवन की प्रार्थना की।

दिनांक 01 नवम्बर से 06 नवम्बर 2025 तक चले इस आयोजन में प्रतिदिन धार्मिक पूजन-अर्चन के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 01 नवम्बर को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता, 02 नवम्बर को नगीना म्यूजिकल ग्रुप पामगढ़ की प्रस्तुति, 03 नवम्बर को नगीना म्यूजिकल ग्रुप और रंग धारा गम्मत नाच पार्टी ओनवा रवेली ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

04 नवम्बर को डी.जे. डांस प्रतियोगिता तथा 05 नवम्बर को नौनी बाबू गम्मत नाच पार्टी सारदापुर (ओडिशा) और जय महावीर लोक नाच पार्टी जोबाकला ने ग्रामीणों का मनोरंजन किया।

महायज्ञ के दौरान शासकीय स्कूल मैदान में लगे मेला-मीनाबाजार में बड़ी संख्या में लोग उमड़े।

अंतिम दिवस 06 नवम्बर गुरुवार को 365 दीप प्रज्वलित कर भगवान राधाकृष्ण से सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की गई।

श्रद्धालुओं का विश्वास है कि 365 दीपदान से घर-गांव में शांति और सौहार्द बना रहता है।

अंत में ग्रामीणों ने डीजे की धुनों पर नाचते-गाते हुए भगवान राधाकृष्ण की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया और महायज्ञ का समापन हर्षोल्लास के साथ किया।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर निगम में गूंजा देशभक्ति का स्वर

- प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर एक साथ गूंजा,वंदे मातरम्
- महापौर अलका बाघमार की मौजूदगी में वंदे मातरम् गायन का आयोजन
- वंदे मातरम् के 150 वर्ष : नगर निगम दुर्ग में मनाया गया गौरवमय पर्व

दुर्ग (समय दर्शन)। 07 नवम्बर 2025 वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर देशभर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज प्रातः 10 बजे किया गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों से एक स्वर में वंदे मातरम् का नारा लगाने का आह्वान किया, जिसके साथ ही पूरे देश में देशभक्ति की भावना से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

नगर निगम दुर्ग के मोतीलाल वोरा सभागार में भी प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, पार्षदगण देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, ललित ढीमर, गोविंद देवांगन, सुरुचि उमरे, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, गिरीश दीवान और प्रकाशचंद थावनी सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम देशभक्ति के गीतों और वंदे मातरम् की गूंज के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

सफलता की कहानी : भिलाई निवासी टंडन की सौर ऊर्जा यात्रा

दुर्ग/समय दर्शन। कैलाश नगर, भिलाई के निवासी निषाद टंडन एक जागरूक और पर्यावरण-प्रेमी व्यक्ति हैं। एनएमडीसी बैलाडीला में वर्षों तक सेवा देने के बाद वे साल 2012 में सेवानिवृत्त हुए। तीनों बच्चे आज अपनी-अपनी सेवाओं में कार्यरत हैं। एक दिन उन्होंने अख़बार में सौर ऊर्जा (सोलर पैनल) योजना के बारे में पढ़ा। बच्चों ने भी उन्हें प्रोत्साहित किया। पापा सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होगा और बचत भी होगी। फिर निषाद टंडन ने आवेदन दिया, वेंडर से बात की और बिजली विभाग से भी सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने 13 दिसम्बर 2024 को अपने घर में 2 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद से उनका अनुभव बेहद सकारात्मक रहा। अब तक उनका सोलर सिस्टम 3590 यूनिट बिजली का उत्पादन कर चुका है, जिसमें से 1000 यूनिट बिजली विभाग को बेची गई है। राज्य सरकार द्वारा 8 सितम्बर 2025 को उन्हें 30,000 रुपये की राज्य सब्सिडी और 60,000 रुपये की केंद्र सरकार की सहायता प्राप्त हुई। श्री निषाद जी बताते हैं कि उन्होंने सारा खर्च खुद वहन किया, किसी बैंक से लोन नहीं लिया। वे सोलर पैनल की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं और कहते हैं कि पहले की तुलना में अब बिजली बिल बहुत कम आ रहा है। यह योजना बहुत अच्छी है और भविष्य के लिए बेहद जरूरी भी। श्री निषाद मानते हैं कि इनवर्टर और सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की बचत न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभदायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण का उपहार भी है। सौर ऊर्जा अपनाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। इससे आने वाली पीढ़ियों को बिजली की कमी का सामना नही करना पड़ेगा। वे अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। यदि हर घर इस दिशा में कदम बढ़ाए तो देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है।

बसना पिथौरा क्षेत्र में नहीं थम रहा मजदूरों का पलायन

- लालच और धमकी देकर मजदूरों की तस्करी का मामला
- श्रम उपनिरीक्षक की शिकायत पर आपराधिक मामला दर्ज

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा मे बिना अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के मजदूरों को ईंट-भट्ठों में ले जाने वाले दलालों पर श्रम विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

पुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार श्रम उप निरीक्षक बेलारसन बघेल के लिखित आवेदन पर ग्राम मुढीपार निवासी गंगाराम प्रजापति और रामदास दीवान के खिलाफ मानव तस्करी सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

श्रम पदाधिकारी जिला महासमुंद के निर्देशानुसार बिना पलायन पंजी और बिना लाइसेंस के मजदूरों को बाहर ले जाने वाले लेबर ठेकेदारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कार्रवाई के क्रम में श्रम विभाग की टीम—दानेश्वर साहू (श्रम कल्याण निरीक्षक), राकेश प्रधान (सहायक ग्रेड-3), मुकेश साहू (सहायक ग्रेड-3) और हिमालय चंद्राकर (लेखापाल, BOC)—ग्राम मुढीपार पहुंची।

यहां कुछ मजदूर अपने परिवार सहित उत्तर प्रदेश के ईंट-भट्ठे में काम के लिए ले जाए जाने के इंतजार में खड़े मिले। पूछताछ में मजदूरों—राजेन्द्र झरेका, डॉक्टर झरेका, नवीन झरेका और गोविंद झरेका—ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें अधिक मजदूरी राशि का लालच दिया, एडवांस रकम दी और धमकी देकर ले जाने का प्रयास कर रहे थे।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना पिथौरा में धारा 143, 3(5) ब्झ्हस् के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बसना क्षेत्र भी मजदूर पलायन के ममले मे हाई अलर्ट एरिया है।

यहाँ के मजदूर दलाल भी अभी मजदूरों को रिझाने मे लगे हैं, और क्षेत्र के भोलेभाले मजदूरों को एडवांस के मोहजाल व लालच मे फंसा कर व्यापक पैमाने पर यहाँ से कई हजार परिवारों को पलायन कराने की बिसात बिछा रहे है। क्षेत्र के भोले भाले मजदूरों के शोषण के खिलाफ अब क्षेत्र के अनेक समाजसेवी सामने आ रहे हैं, जिसे लेकर एक प्रतिनिधि मण्डल निकट भविष्य में मुख्यमंत्री,गृह मंत्री एवं विभागीय मंत्री से मिलने वाली है ।

जिस पर अब मीडिया एवं श्रम विभाग की पैनी नजर बनी हुई है ।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर निगम सभागार में कार्यक्रम आयोजित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष एवं जोन कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित की गई। माननीय प्रधानमंत्री के लाईव प्रसारण के माध्यम से वंदे मातरम का उत्साहपूर्वक गायन किया गया। राष्ट्रगीत बंदे मातरम केवल एक गीत ही नही। यह भारत की आत्मा एवं एकता का प्रतीक है। सभी भारतीय नागरिको को इसका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, अधीक्षण अभियंता अजीत कुमार तिग्गा एवं अन्य अधिकारी सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा ने किया सांसद खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

- खेल सिर्फ मैदान तक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का संकल्प है - प्रकाश सिन्हा

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत अंकोरी में आज सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ उत्साह, जोश और देशभक्ति के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद सभापति एवं क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मिलाप निराला, विधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला,

भाजपा मंडल महामंत्री प्रहलाद साहू एवं शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विनोद विशाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से आत्मीय स्वागत किया गया, जिसके पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीयूष ठाकुर ने स्वागत भाषण देते हुए

सांसद खेल महोत्सव के उद्देश्य, महत्व और ग्रामीण युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि प्रकाश सिन्हा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा शक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और संगठनात्मक एकता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा - प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'फिट इंडिया- हिट इंडिया' अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए यह महोत्सव एक सशक्त पहल है।

साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और आयोजकों के समर्पण की सराहना की।

इस प्रेरणादायी पहल के लिए महासमुंद क्षेत्र के सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल का साधुवाद करते हुए आभार जताया। जिन्होंने युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का यह सशक्त मंच प्रदान किया है।

कार्यक्रम को जितेन्द्रत्रिपाठी ने भी संबोधित किया ।

पूरा कार्यक्रम उत्साह, देशभक्ति और युवा जोश से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन अंकोरी शासकीय विद्यालय के प्राचार्य यज्ञराम सिदार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अंकोरी सरपंच मिश्रा दीप, गढ़फुलझर सरपंच श्रीमती हरप्रीत कौर हरजू,

कायतपाली सरपंच सुश्री गीता यादव, देवरी सरपंच सुरेश कोसरिया,

कुदारीबाहरा सरपंच प्रफुल्ल साव, सोसायटी अध्यक्ष कमलेश साव, राजेश कुमार साहू, देवानंद साहू, हीरालाल साहू, महेन्द्र प्रधान, मोहनलाल डड़सेना, भूमिसूता प्रधान, केदार पटेल, सुंदरमणि मिश्रा, मुरली नायक सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण, खेल प्रशिक्षक, जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, पालक एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26